

नगरीय निकाय चुनाव में प्रचंड जीत हमारा लक्ष्य : कर्मवीर सिंह

विश्व केसरी■
रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शनिवार को आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में चुनावी रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर विस्तार से रणनीतिक चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा का लक्ष्य सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं



राज्य सरकार की जनकल्याणकारी और प्रत्येक बूथ को मजबूत करना ही हमारी जीत का आधार होगा। हमारा लक्ष्य केवल नगरीय निकाय चुनाव ही नहीं, बल्कि यह चुनाव

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी भी है। नगरीय निकाय चुनाव के साथ हमें विधानसभा में भी प्रचंड जीत हासिल करनी है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने कहा कि भाजपा पूरी तैयारी के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने पिछले एक वर्ष में नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के शहर स्वच्छ, सुंदर और विकसित हो रहे हैं। जनता का विश्वास भाजपा के साथ है।

क्रेडा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता भूपेन्द्र सक्नी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर सक्रिय है। हम वार्ड-वार्ड तक संपर्क कर सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएंगे। नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी और ट्रिपल इंजन की सरकार विकास को नई गति देगी।

बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय ने किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, संभाग प्रभारी, नगरीय निकाय चुनाव प्रभासी, सह प्रभारी सहित भाजपा पदाधिकारी, उपस्थित रहे।

सवालों के घेरे में सीजीपीएससी! पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से क्यों मिले अभ्यर्थी ?



विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) मुख्य परीक्षा 2025 के अभ्यर्थियों ने आज भिलाई में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान अभ्यर्थियों ने पुनर्मूल्यांकन और साक्षात्कार से पहले सूचना के अधिकार (RTI) के माध्यम से अपनी उत्तरपुस्तिकाओं की कॉपी उपलब्ध कराने की मांग की।

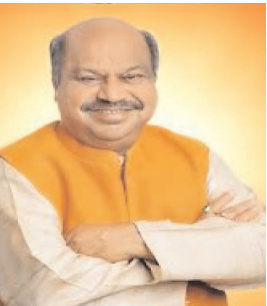
पूर्व मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर किया पोस्ट
इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने अभ्यर्थियों की मांगों के समर्थन में उनके साथ खड़े रहने की बात कही। उन्होंने अपने सोशल मीडिया फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा आज भिलाई निवास में CGPSC मुख्य परीक्षा 2025 के अभ्यर्थियों से भेंट-मुलाकात हुई।

उन्होंने आगे लिखा कि अपनी मेहनत से अपने भविष्य और न्याय की उम्मीद लेकर पहुंचे युवाओं ने पुनर्मूल्यांकन तथा साक्षात्कार से पूर्व RTI के माध्यम से उत्तरपुस्तिकाओं की कॉपी उपलब्ध कराने की मांग रखी। युवा साथियों के साथ हम सब खड़े हैं।

मिशन 2028 की तैयारी को लेकर पुरंदर मिश्रा ने दी जानकारी

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा में मिशन 2028 की तैयारी गति पकड़ ली है। भाजपा नेता पुरंदर मिश्रा ने बताया कि नवनियुक्त छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी स्मृति ईरानी दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। 25 और 26 अक्टूबर को अपनी यात्रा के दौरान रैम्प में पूर्व प्रदर्शिनियों और कलाकारों से वन-टू-वन चर्चा रणनीति पर। स्मृति ईरानी संगठन के बेल्जियम से फ़िरम लेंगी। इसके साथ ही प्रदेश के 60 से अधिक पूर्वोत्तर न्यूनतम-विधायकों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

भाजपा नेता पुरंदर मिश्रा ने मीडिया से चर्चा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर बताया कि राष्ट्रपति 22-23 अक्टूबर को रायपुर और



जगदलपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर 12:45 बजे रायपुर के लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। पूज्य माता हासी देवी जी के सम्मान में 200 रुपये का स्मारक नारियल जारी किया गया।

इसके अलावा शाम 4 बजे वे रायपुर के इंदौर स्टेडियम में नुआखाई पर्व के अवसर पर

आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। 'सेवा सम्मान पर्व' एवं 'युवा प्रबोधन' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल।

23 अक्टूबर को राष्ट्रपति प्रातः 11 बजे जगदलपुर में स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। 12:45 बजे वे जगदलपुर में मुरिया दरबार एवं दशहरा उत्सव पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

वहीं धान संप्रग की शुरुआत से पहले सरकार की ओर से की जाने वाली जानकारी देते हुए भाजपा नेताओं ने बताया कि धान की साइकिलिंग और हेराफेरी पर रोक डिजिटल निगरानी की है। अब हर बोरी पर क्यूआर कोड स्थिर है। इसके साथ धान की कस्टम मिलिंग नीति 2026-27 जारी की गई है।

सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो सरगुजा का बच्चा भी देश में बना सकता है अपनी अलग पहचान: मंत्री राजेश अग्रवाल

विश्व केसरी■
रायपुर। सरगुजा जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के डॉक्टर और इंजीनियर बनने के सपनों को साकार करने की दिशा में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल की गई है। अब जिले के शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों की ओर रुख करने की आवश्यकता कम होगी। उन्हें अपने विद्यालयों में ही आधुनिक स्मार्ट क्लासरूम, विषय विशेषज्ञ शिक्षकों और नवीनतम डिजिटल तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण कोचिंग की सुविधा मिलेगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री

राजेश अग्रवाल ने शनिवार को जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा जिले के 35 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नीट एवं जेईई की निःशुल्क लाइव ऑनलाइन कोचिंग का शुभारंभ किया। जिला खनिज संस्थान न्यास एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी परियोजना से लगभग 2,120 विद्यार्थियों को दो वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिलेगा।

यह पहल विशेष रूप से उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी, जो आर्थिक एवं भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बड़े शहरों में जाकर महंगी कोचिंग प्राप्त नहीं कर पाते। अब



सरगुजा के विद्यार्थियों को अपने ही विद्यालय में राष्ट्रीय स्तर के शिक्षकों से पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्राप्त होगा।

यह केवल कोचिंग की शुरुआत नहीं, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है: मंत्री अग्रवाल- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह केवल एक शैक्षणिक परियोजना का शुभारंभ नहीं, बल्कि सरगुजा के हजारों बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का संकल्प है। शिक्षा ही वह शक्ति माध्यम है, जिससे समाज और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संवारा जा सकता है। हमारा

प्रयास है कि सरगुजा का कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल संसाधनों और आर्थिक परिस्थितियों के अभाव में अपने सपनों से वंचित न रहे।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नीट और जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर संसाधन एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इस पहल से विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आने वाली आर्थिक एवं शैक्षणिक कठिनाइयों को कम करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती।

निकाय चुनाव की तैयारी तेज : भाजपा की बैठक में बनी जीत की रणनीति

सांसद संतोष पांडेय ने कहा - सभी 17 निकायों में जीतेंगे

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। आज राजधानी रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संगठन की बड़ी बैठक हुई, जिसमें प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा की। बैठक में सांसद और विधायक भी शामिल हुए।

भाजपा ने प्रदेश के सभी 17 नगरीय निकायों में जीत हासिल करने का लक्ष्य रखा है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में हुई बैठक में

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों और आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह के साथ

प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही और क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र



सक्नी सहित संगठन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

सभी 17 नगरीय निकायों में भाजपा की होगी जीत : सांसद

जिला प्रभारियों के साथ कुछ सांसद और विधायकों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। बैठक के बाद भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि प्रदेश के नगरीय निकायों में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। सुशासन के मामले में कहीं कोई कमी नहीं है। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में विकास कार्यों के आधार पर भाजपा सभी 17 नगरीय निकायों में जीत हासिल करेगी।

महादेवघाट विसर्जन कुंड पर विशेष व्यवस्था

विश्व केसरी■
रायपुर। राजधानी रायपुर में आगामी त्योहारों को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर शुरू हो चुकी हैं। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दुर्गा विसर्जन खारून नदी स्थित महादेवघाट पाटन पुलिया के पास बनाए गए विशेष विसर्जन कुंड में ही संपन्न किया जाएगा।

पर्यावरण सुरक्षा और व्यवस्थित संचालन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और नगर निगम ने सभी जरूरी प्रबंधों को समय पर पूरा करने के निर्देश जारी कर दिए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जोन 8 कमिश्नर को सौंपी गई मुख्य जिम्मेदारी

विसर्जन स्थल पर प्रकाश व्यवस्था (लाइट), क्रेन, स्टेज, लाउडस्पीकर, पेयजल और साफ-सफाई जैसी तमाम व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी रायपुर नगर निगम के



जोन क्रमांक 8 की जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल को सौंपी गई है। इसके अलावा, सुचारु संचालन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की तीन पालियों में 8-8 घंटे की चक्रानुसार इंटूटी लगाई गई है, जो 20 अक्टूबर सुबह 6 बजे से 25 अक्टूबर सुबह 6 बजे तक निरंतर अपनी सेवाएं देंगी।

एनजीटी के नियमों का सख्ती से पालन

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा जारी प्रशासनिक आदेश को तत्काल

(रावण पुतला दहन) के लिए भी शहर के प्रमुख स्थलों पर व्यापक प्रशासनिक प्रबंध किए गए हैं। रावणभाटा और डब्यू. आर. एस. कॉलोनी के साथ-साथ चौबे कॉलोनी, राजेंद्र नगर, शंकर नगर और रामकुंड (स्वामी विवेकानंद आश्रम के पास) में होने वाले कार्यक्रमों के लिए संबंधित जोन कमिश्नरों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इन स्थलों पर साफ-सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और अग्निशमन वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष समिति का गठन

दशहरा उत्सव और दुर्गा माता मूर्ति विसर्जन की संपूर्ण व्यवस्था पर नजर रखने के लिए नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है।

छत्तीसगढ़ में दीपावली अवकाश अब 6 दिन का, स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया संशोधित आदेश

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए पूर्व में घोषित दीपावली अवकाश में आंशिक संशोधन करते हुए अब कुल 6 दिनों का अवकाश घोषित किया है। संशोधित आदेश के अनुसार प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों तथा डी.एड., बी.एड., एम.एड. महाविद्यालयों में 6 नवंबर से 11 नवंबर 2026 तक दीपावली अवकाश रहेगा।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 16 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार पूर्व में 21 सितंबर 2026 को जारी शैक्षणिक कैलेंडर में दीपावली अवकाश 6 नवंबर से 10 नवंबर 2026 तक कुल 5 दिनों के लिए निर्धारित किया गया था। राज्य शासन ने उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए दीपावली अवकाश की अवधि एक दिन बढ़ाकर 11 नवंबर 2026 तक कर दी है। इस निर्णय से प्रदेश के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शैक्षणिक संस्थानों को दीपावली पर्व के अवसर पर एक अतिरिक्त दिन का अवकाश मिलेगा।

रास गरबा आयोजित



विश्व केसरी■
रायपुर। खंडेलवाल युवा मंच एवं खंडेलवाल महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय रास गरबा का आयोजन स्थानीय समाज के लिए दिनांक 15 एवं 16 अक्टूबर की रेयान किचन टर्क, कोटा में बहुत ही सुंदर पारंपरिक वेशभूषा में आयोजित किया गया था।

शुभम तंबोलिया, विशेष बढ़ाया, हनुमान जी एवं हैप्पी जी का विशेष योगदान कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

3 साल के बच्चे का हाथ टूटा, सिगरेट से दागने का भी आरोप

विश्व केसरी■
रायपुर। रायपुर के पंडरी के तरुण नगर लोधी पारा में 3 साल के बच्चे के साथ मां और सौतेले पिता ने बेरहमी से मारपीट की है। उसके हाथ में फ्रैक्चर आ गया और प्लास्टर चढ़ाना पड़ा। उसकी आंख चोट के कारण बुरी तरह सूज गई है। पीट पर सिगरेट से दागने के निशान मिले हैं।

बच्चे की 6 साल की बहन लक्ष्मी ने मोहल्ले के लोगों को इसकी जानकारी दी। तब बस्ती वालों ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मां अनु देवी और सौतेले पिता राजा के खिलाफ FIR दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, 13 अक्टूबर की सुबह करीब 8:30 बजे लक्ष्मी ने मोहल्ले वालों को अपने छोटे भाई के साथ मारपीट की



जानकारी दी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि, बच्चे के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान हैं। उसके हाथ में प्लास्टर चढ़ा हुआ है और बाई आंख में भी सूजन है। बच्चे को सौतेला पिता राजा पीटता था, लेकिन मां अनु देवी उसे नहीं रोकती थी। बच्चे के साथ पहले भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है।

बच्चे को सुरक्षित रखने की मांग

बस्ती के लोगों ने आरोप लगाया है कि, मां बच्चों के साथ कथित

मारपीट को रोकने के लिए कुछ नहीं करती। शिकायतकर्ताओं ने आशंका जताई है कि पुलिस कार्रवाई के डर से किराए के मकान में रहने वाला परिवार कहीं और जा सकता है। उन्होंने पुलिस से बच्चे का मेडिकल परीक्षण कराने और उसे बाल कल्याण समिति (CWC) के सामने पेश करने की मांग की है। साथ ही बच्चे को सुरक्षित बाल गृह में रखने की अपील की है, जिससे उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

तीन धाराओं में दर्ज हुआ केस

पुलिस ने मामले में किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 75 और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 115(2) व 3(5) के तहत FIR दर्ज की है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्र- 9)
:: पुलिस वान के पास, दो कॉलोनी,
मोरा, रायपुर ::
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं / ...36317.../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026

रायपुर, दिनांक 16-10-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36317

वाई का नाम 10-राती लक्ष्मीबाई है।
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 10 स्थित भवन / भूमि विसका प्रॉपर्टी आई डी RPR227W00394 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ADITYA MODI पिता/पति श्री श्रीमती PRADEEP MODI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती फखरुद्दीन कुरैशी पिता/पति श्री श्रीमती नसीरुद्दीन कुरैशी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्तानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिकर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे ‘
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्र- 6)
:: आई.एस.बी.टी. क्लर्क लान,
रायपुर ::
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं / ...36433.../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026

रायपुर, दिनांक 17-10-2026

इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36433

वाई का नाम 63 बिगिंहियर उमामा वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 63 स्थित भवन /भूमि विसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR455Q00029 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती Tulsi Ram पिता / पति श्री/श्रीमती Ragi Dhimar के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SHIVCHARAN DHIWAR पिता / पति श्री/श्रीमती S/O LT. TULSRAM DHIWAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्तानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH PATRA, SAHAMATI PATRA AND DEATH CERTIFICATE OR PANCH-NAMA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिकर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे ‘
श्री हितेंद्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

स्कूल परिसर में रस्सी के झूले पर बच्चे की मौत, शिक्षकों की लापरवाही के आरोप

स्कूल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

विश्व केसरी■
बसना (अशोक प्रधान)। छत्तीसगढ़ सरकार एक ओर स्वामी आत्मानंद स्कूलों सहित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा, खेलकूद और सर्वांगीण विकास के अवसर उपलब्ध कराने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

महसमूंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत उड्डेला के आश्रित ग्राम मूड़ीडीह में स्कूल परिसर में स्थित एक पेड़ में रस्सी के झूले पर एक बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। मृतक बच्चे की पहचान तरुण चौहान के रूप में बताई गई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। वहीं, कुछ ग्रामीणों ने शिक्षकों पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए मामले की जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग उठाई है।

आखिर खेलते-खेलते कैसे चली गई बच्चे की जान ?

ग्रामीणों से मिली जानकारी के

अनुसार, मूड़ीडीह के स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे स्कूल खुलने से पहले ही परिसर में पहुंच जाते थे और वहां खेलते थे। इसी दौरान स्कूल परिसर में एक पेड़ पर बांधी गई रस्सी के झूले पर खेलते समय तरुण घटना के वक्त वहां कुछ अन्य बच्चे भी मौजूद थे। घटना के बाद बच्चों ने इसकी जानकारी स्कूल में कार्यरत रसोइया और मृतक के परिजनों को दी। इसके बाद बच्चे की मां मौके पर पहुंचीं और बच्चे को रस्सी से बाहर निकाला। बाद में शव को ग्राम मूड़ीडीह में स्कूल परिसर में स्थित एक पेड़ में रस्सी के झूले पर एक बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। हालांकि, घटना की परिस्थितियों और मौत के सटीक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

घटना की जानकारी मिलने के बाद यह जानने का प्रयास किया कि प्राथमिक स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे की मौत किन परिस्थितियों में हुई ? गांव पहुंचने पर टीम की मुलाकात स्कूल में कार्यरत रसोइया और स्वीपर से हुई। उनसे बातचीत के दौरान स्कूल खुलने से पहले बच्चों के



परिसर में पहुंचने और वहां खेलने की जानकारी सामने आई।

ग्रामीणों की ओर से यह भी आरोप लगाया गया कि स्कूल परिसर में बच्चों के खेलने के लिए रस्सी का झुला शिक्षकों द्वारा लगाया गया था। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि झुला किसने लगाया था ? उसकी सुरक्षा की जांच की गई थी या नहीं और क्या बच्चों के लिए वहां खेलना

सुरक्षित था ? इन बिंदुओं की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

स्कूल खुलने से पहले बच्चों को मिल जाती थी चाबी, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात स्कूल खुलने से पहले बच्चों के परिसर में पहुंचने को लेकर सामने आई है। स्वीपर से मिली जानकारी के अनुसार, बच्चे घर से चाबी लेकर स्कूल पहुंच जाते थे और स्कूल खुलने से पहले ही परिसर में खेलने लगते थे। यदि बच्चे नियमित रूप से स्कूल खुलने से पहले परिसर में पहुंचते थे, तो उनकी सुरक्षा और निगरानी के लिए क्या व्यवस्था थी ? स्कूल परिसर में बच्चों की मौजूदगी के दौरान जिम्मेदारी किसकी थी ? ये ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब संबंधित विभाग और प्रशासन को देना चाहिए।

स्कूल परिसर में पेड़ पर रस्सी बांधकर झुला बनाया गया था। यदि यह व्यवस्था बच्चों के खेलने के लिए की गई थी, तो उसकी मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी था। हालांकि, झुला किसने लगाया और उसकी सुरक्षा को लेकर पहले कोई शिकायत या चेतावनी दी

गई थी या नहीं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

खेलकूद और विकास की बात, परन्तु बच्चों की सुरक्षा का क्या ?

सरकार सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर जोर देती है। खेलकूद भी बच्चों के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन खेल के साधन सुरक्षित होना और बच्चों की निगरानी सुनिश्चित करना उतना ही आवश्यक है।

मूड़ीडीह की घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में उपलब्ध खेल सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चे स्कूल खुलने से पहले पहुंच रहे थे और वहां खेल रहे थे, तो इस व्यवस्था की जानकारी संबंधित जिम्मेदार लोगों को थी या नहीं ? इसकी जांच जरूरी है। एक बच्चे की मौत के बाद अब यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि स्कूल परिसर में बच्चों की सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए थे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।

पति, दो जेट और दो देवरों पर लगाया 7 साल तक शोषण का आरोप!

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार। जिले के कसडोल थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने ही पति, दो जेट और दो देवरों पर उसके साथ लंबे समय तक शारीरिक शोषण और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

पीड़िता की ओर से सामने आई जानकारी के मुताबिक, उसे पिछले 7 वर्षों से लगातार शारीरिक शोषण और प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा था। इन प्रताड़नाओं से तंग आकर और किसी तरह हिम्मत जुटाकर पीड़िता ने महिला हेल्पलाइन नंबर 181 पर कॉल कर मदद की गुहार लगाई।

'सखी सेंटर' की सहायता से पीड़िता को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के दौरान पीड़िता की हालत काफी गंभीर बताई जा रही है, जिसके बाद उसे तुरंत इलाज के लिए जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

फिलहाल, इस गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य रूप से पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के स्वास्थ्य में सुधार आने और वित्गत बयान दर्ज होने के बाद अन्य आरोपियों की संलिप्तता के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की।

ग्राम दलदली में झेरिया यादव समाज बसना-सरायपाली की हुई बैठक

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। झेरिया यादव समाज बसना-सरायपाली की महत्वपूर्ण बैठक ग्राम दलदली में संपन्न हुई। बैठक में समाज की एकता, संगठन की मजबूती और सामाजिक विकास को लेकर चर्चा की गई। समाज को नई दिशा देने तथा समाज के लोगों को एकजुट कर आगे बढ़ाने के उद्देश्य पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में समाज के सर्वांगीण विकास, सामाजिक परंपराओं के संरक्षण और समाज के लोगों के बीच आपसी सहयोग एवं भाईचारे की भावना को मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित समाज जनों ने समाज की प्रगति के लिए मिल-जुलकर कार्य करने तथा सामाजिक गतिविधियों



में सक्रिय भागीदारी निभाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य झेरिया

यादव समाज को संगठित, सशक्त और विकासशील बनाना रहा। समाज के विकास के लिए सभी सदस्यों की सहभागिता, आपसी समन्वय और एकजुटता की महत्वपूर्ण बताया गया। साथ ही समाज के युवाओं को सकारात्मक दिशा देने, सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने और आने

वाली पीढ़ी को समाज की संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने जैसे कार्यों पर भी पहल करने की आवश्यकता जताई गई।

समाज की मजबूती तभी संभव है, जब सभी समाजजन आपसी मतभेदों को दूर रखकर एकता और सहयोग की भावना से आगे बढ़ें। इसी सोच के साथ समाजहित में निरंतर कार्य करने तथा संगठन को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया।

शिवरीनारायण में बुजुर्गों को वितरित की गई स्टिक, सेवा संकल्प अभियान के तहत नारायण सेवा समिति की पहल

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को शिवरीनारायण के बाम्बे मार्केट स्थित दुर्गा पूजा स्थल पर बुजुर्गों को स्टिक का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नारायण सेवा समिति, शिवरीनारायण द्वारा किया गया।

इस पहल के माध्यम से बुजुर्गों को सहारा प्रदान करने और उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने का प्रयास किया गया। चलने-फिरने में परेशानी का सामना करने वाले बुजुर्गों के लिए स्टिक उपयोगी



सहारा साबित होगी। कार्यक्रम के जरिए समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और सेवा भावना का संदेश दिया गया।

नारायण सेवा समिति द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत बुजुर्गों की निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते

सहायता के लिए किया गया यह

प्रयास सामाजिक सरोकार और जनसेवा की भावना को दर्शाता है। ऐसे आयोजन समाज के लोगों को जरूरतमंदों की मदद करने तथा

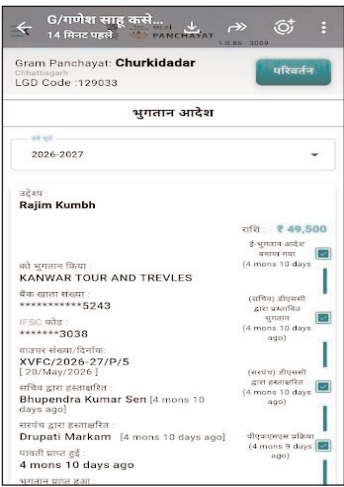
बुजुर्गों के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते

छुरा जनपद के पंचायतों में भ्रष्टाचार-अधिकारियों की मौन सहमति

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखंड छुरा के लगभग सभी पंचायतों में भ्रष्टाचार की ही बोलबाला है। ज्यादातर पंचायतों के बिल-बाउचर और ई-भुगतान को देखेंगे तो इसे सत्य पाएंगे। मेरी पंचायत एप के माध्यम से सचिवों और सरपंचों की करतूतों को नग्न रूप से देखा जा सकता है। यहाँ सवाल यह है कि जब फर्जीवाड़ा परत दर परत खुली आँखों से दिख रही है तो उसे स्वीकृति देने वाले अफसरों को आखिर कुछ संदिग्ध क्यों नहीं दिखाता ? आडिटर के पैनी नज़रों से आखिर वे कैसे बच जाते हैं ? मिलीभगत का यह वर्षों पुराना खेल अब मेरी पंचायत एप के माध्यम से बेनकाब हो रही है।

छुरा जनपद अंतर्गत चुरकीदादर पंचायत में ऐसा ही मामला सामने आया है जिसमे चालू वित्त वर्ष 26-27 में राजिम कुंभ के



नाम पर केंवर दूर एंड ट्रेवल्स को 49500 रु का भुगतान किया जाना दिखाया गया है जबकि वर्ष 26-27 का कुंभ फरवरी 2027 में होना है। यही नहीं छुरा अंचल के इस

पंचायत का राजिम कुंभ से भी कोई लेना देना हो सकता है समझना कठिन नहीं।

लॉकडाउन में जैसे सभी पंचायतों ने फर्जी बिल बाउचर द्वारा लाखों-करोड़ों के बारे-न्यारे किये वो सिलसिला आज तक थमा नहीं है बल्कि बदसूर जारी है। जो पंचायते लॉकडाउन तक में सार्वजनिक कार्यों का होना और भुगतान करने तक में कोई संकोच नहीं करते और आडिट में भी बच निकलते है उन्हें आमदियों में भला क्या तकलीफ हो सकती है ? विकास करने तक में कोई संकोच नहीं करते और आडिट में भी बच निकलते है उन्हें आमदियों में भला क्या तकलीफ हो सकती है ? विकास को इस कथित लोकतंत्र का कटु सत्य है जिसे झुठलाया ही नहीं जा सकता है। पंचायतो के भ्रष्टाचार पर कार्यवाही करने में सभी असमर्थ है बावजूद चुकीदादर पंचायत का यह मामला प्रकाश में आना ही चाहिए। लुट का खुला खेल स्केगा ऐसा सोचना भी दिवास्वप्न से ज्यादा कुछ नहीं। सिस्टम के नाकारापन से आज जनता का पूरी तरह मोहभंग हो चुका है इसमें संदेह नहीं।

पटेलपारा वासियों ने नवरात्रि पंचमी के अवसर पर जस गीत और बाना लेकर मां दुर्गा के प्रति जताया आस्था और विश्वास

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। नगर के सरदार वल्लभभाई पटेल पारा वार्ड क्रमांक 03 में सर्वोदय दुर्गात्सव समिति के तत्वावधान में नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमा विराजमान है, और पूरे मोहल्ला वासियों द्वारा बहुत ही धूमधाम से नवरात्री का पर्व मनाया मनाया जा रहा है।

प्रतिदिन मोहल्ले के सैंकड़ो महिलाओं , युवाओं, बच्चों की उपस्थिति में पंडित जय शंकर महाराज के द्वारा भव्य महा आरती पूरे विधि विधान के साथ किया जाता है। तथा प्रतिदिन जस गीत का आयोजन से पूरे मोहल्ले में भक्ति मय वातावरण बना हुआ है। साथ ही मां दुर्गा की स्थापना के पांचवा दिन मोहल्ले के वरिष्ठों,

शिवरीनारायण मेले में नि:शुल्क विधिक सहायता केंद्र शुरू



विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर चांपा के अध्यक्ष एवं प्रधान न्यायाधीश जयदीप गर्ग के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर के सचिव मनोज कुमार कुशवाहा के मार्गदर्शन में शिवरीनारायण मेला महोत्सव में नि:शुल्क विधिक सलाह एवं सहायता केंद्र का शुभारंभ आज दिनांक 14/10/2026 को किया गया। तहसील अधिवक्ता अध्यक्ष

छबिराय, विश्वनाथ सिंह, गजेन्द्र बंजारे, एम आर कश्यप, रामनिवास शिवरीनारायण के पूर्व अध्यक्ष शिवरीनारायण के प्रति स्टाेल में आने वाले लोगों को साइबर अपराध के संबंध में, सामुदायिक मध्यस्थता, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए योजना, नालसा संवाद योजना, हाशिए पर मौजूद और कमजोर आदिवासी समुदायों तथा विमुक्त खानाबदोश जनजातियों के लिए न्याय तक पहुंच को मजबूत बनाना, बाल विवाह,स्त्रुहा वीर परिवार

सहायता योजना,नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, बाल मित्रवत विधिक सेवा योजना, जागृति योजना, नशा मुक्ति योजना, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक सहायता योजना,नेशनल लोक अदालत से संबंधित पंपलेट बांटकर लोगों को जानकारी दी जा रही है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से तहसील अधिवक्ता के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी, अधिवक्तागण छबिराय, विश्वनाथ सिंह, गजेन्द्र बंजारे, एम आर कश्यप, रामनिवास शिवरीनारायण के पूर्व अध्यक्ष शिवरीनारायण के प्रति स्टाेल में आने वाले लोगों को साइबर अपराध के संबंध में, सामुदायिक मध्यस्थता, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए योजना, नालसा संवाद योजना, हाशिए पर मौजूद और कमजोर आदिवासी समुदायों तथा विमुक्त खानाबदोश जनजातियों के लिए न्याय तक पहुंच को मजबूत बनाना, बाल विवाह,स्त्रुहा वीर परिवार



जमीन बेचा जा रहा है और इसी अवैध प्लाटिंग को और बढ़ाने के लिए नहर के अंदर नींव डालकर रपटा का निर्माण किया जा रहा है जिसका न किसी अधिकारी ने अनुमति लिया गया है और ना कोई एनोसी ऐसे में धड़ल्ले से अवैध प्लाटिंग का धंधा को बढ़ाने के लिए लाखों लोगों के निस्तारी के नहर के साथ खिवाबाड़ किया जा रहा है। बड़ा सवाल यह भी है कि यदि अधिकारियों ने निर्माण कार्य की

अनुमति नहीं दी तो उक्त व्यक्ति के द्वारा धड़ल्ले से निर्माण कार्य कैसे कराया जा रहा है और जिम्मेदार अधिकारी कार्यवाही क्यों नहीं कर रहे इससे यह भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि अधिकारियों के मिलीभगत हो सकती है। ऐसे में अब देखना होगा कि खबर प्रकाशन के बाद क्या कुछ कार्यवाही किया जाता है या लेनदेन कर इस मामले को निपटारा कर दिया जाता है।

बसना के युवा समाजसेवी रत्नेश गुप्ता का निधन

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। बसना नगर के सक्रिय समाज सेवी रत्नेश गुप्ता के आकस्मिक निधन से बसना एवं भंवरपुर अंचल में शोक की लहर फैल गई। रत्नेश गुप्ता के निधन से परिवार में गहरा दुख व्याप्त है। परिजनों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। स्वर्गीय रत्नेश गुप्ता का अंतिम संस्कार शाम 4:30 बजे स्थानीय मुक्तिधाम बसना में किया गया। जिसमें काफी संख्या में सामाजिक जन, नगर के गणमान्य नागरिकगण, भंवरपुर अंचल से ग्रामीण जन उपस्थित थे। स्व रत्नेश गुप्ता, बसना नगर के सक्रिय युवा नेता मनेश गुप्ता के बड़े भाई एवं संदीप गुप्ता के पिता थे।

शिवरीनारायण मेले में जानलेवा हमला करने के मामले में एक मुख्य आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। थाना जिला बलौदाबाजार –भाटापारा के थाना गिर्धौरी प्रार्थी करने यादव ने थाना शिवरीनारायण में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने गांव के एक व्यक्ति द्वारा शिवरीनारायण मेला मैदान में लगाई गई चप्पल –जूते की दुकान में काम करता है। 15 अक्टूबर की रात लगभग 10:30 बजे दुकान में चप्पल-जूते के मीलभाव को लेकर भगतदास मानिकपुरी और एक विधि से संघर्षरत बालक के बीच विवाद हो गया। कुछ देर बाद उक्त बालक अपने साथियों के साथ वापस आया और गाली-गलौज करने लगा।

विवाद बढ़ने पर आरोपी दीप केंवट उर्फ दीप भाई एवं उसके साथियों ने जान से मारने की नीयत से क्रेमरेज यादव के सिर, सीने,



पेट एवं पीठ पर चाकू से कई वार किए तथा डंडे से भी हमला किया, बीच –बचाव करने पहुंचे करन यादव के सिर पर भी डंडे से वार कर उसे चोट पहुंचाई गई। हमले में क्रेमरेज यादव गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया, जिसे उपचार के लिए शिवरीनारायण के

शबरी अस्पताल में भर्ती कराया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस

अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. यूलेण्डन यार्क के कुशल मार्गदर्शन में तथा अनुविभागीय अधिकारी

पुलिस तोमेश वर्मा के नेतृत्व में थाना शिवरीनारायण पुलिस ने घटना में शामिल लोगों की पहचान कर अलग- अलग टीमें

गठित कीं। पुलिस टीम ने दबिश देकर मुख्य आरोपी दीप केंवट उर्फ दीप भाई तथा 03

विधि से संघर्षरत बालकों को पकड़ा जिसको प्रृछताछ एवं विवेचना के दौरान घटना में

प्रयुक्त 03 स्टील के चाकू, एक लकड़ी तथा खून के निशान वाले कपड़े जब्त किए गए।

पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर मामले में अपराध क्रमांक 307/2026, धारा 109(1), 296,

351(3), 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत वैधानिक कार्रवाई कर मुख्य आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

मुख्य आरोपी दीप केंवट एवं एक विधि से संघर्षरत बालक पूर्व में मांभी-पूर्णमा मेले के दौरान भी एक व्यक्ति पर चाकू से हमला करने के मामले में शामिल रहे हैं।

मुख्य रूप से पुरुषोत्तम दुबे, सोमनाथ पटेल, पार्षद जानकी पटेल, पूर्व पार्षद भूखन पटेल , पूर्व पार्षद सूरज पटेल, अर्चला गुप्ता, पिटू पटेल, मनोज पटेल, सोनल दुबे, अमित सेन सेन, दानू पटेल, संजू सेन, विक्रम पटेल, रंजीत पटेल, कमलेश पटेल, प्रह्लाद पटेल, दानेश पटेल, हेमराज पटेल, चिंटू पटेल, नरेंद्र पटेल,जितेंद्र पटेल, राकेश पटेल, अजय चक्रवार्ती, हेमराज, दानेश, उपुल, मुकेश, और बच्चों ने बाना लेकर नवरात्रि में मां दुर्गा के प्रति भक्ति और आस्था प्रकट किया है।

प्रतिदिन मोहल्ले में मां दुर्गा जी के दर्शन के लिए सैंकड़ो की संख्या में दूर दराज से लोग पहुंच रहे हैं।

कहानी



विवेक मेहता

फोन उसके हाथ में था और उसे लग रहा था की धड़ धड़ गोलियां चल रही है। उसे मुठभेड़ में मार दिया गया है। जो भी प्रयास कर सकता था, फोन रख कर वह धड़ाम से सोफे पर गिर पड़ा। निस्तेज। निराश। मृत प्रायः सा।

तीन दिनों से प्रयासरत था। कुछ हो नहीं रहा था। तब उसने अपने पारिवारिक, प्रभावशाली व्यवसायी की मदद ली। जब वे कह रहे हैं, कुछ नहीं हो सकता तो कुछ हो नहीं सकता। तय है कि उसके घर में लूट यदि हुई है तो लूटेरा वही है। पांच दिन पहले सवेरे सब सामान्य था। वह तैयार होकर ऑफिस चला गया था। घर में बीमार मां और पत्नी थी। यारह बजे के करीब उसका मोबाइल बजा। देखा पत्नी का फोन था। उठया। उधर से घबराई सी आवाज आई- ‘आप जल्दी घर पर आ जाइए।’

‘क्यों क्या हुआ?’ उसने प्रश्न किया।

‘कोई मेरे हाथ की चूड़ियां घर में चाकू दिखाकर ले गया।’

शीघ्र ही वह घर के लिए निकल पड़ा। पत्नी ने उसे बताया कि उसकी सास की तबीयत ठीक नहीं थी। उसे देखकर वह बाहर के कमरे से, आंगन में होती हुई अपने कमरे में जा रही थी कि एक आदमी जो पहले जाने कब से, छिप कर खड़ा था, ने उसकी गर्दन पर चाकू लगा दिया। वह कुछ समझती इसके पहले ही उसके हाथ में ही पहनी सोने की चूड़ियां किसी औजार से काट कर ले गया।

वह और उसकी पत्नी शीघ्र ही पुलिस स्टेशन पहुंचे। समस्या बतलाई। कुछ पुलिस वाले उसके घर साथ में आए। मुआयना किया। चर्चा की। कुछ शातिर चोरों के फोटो पत्नी दिखाए। फिर बोले- ‘हम अपने स्तर पर पता लगाते हैं।’

आपको जानकारी मिले तो बताइएगा।’

उसने पूछा- ‘रिपोर्ट?’

‘वह तो कभी भी हो जाएगी। अभी तो पता लगाते हैं। यह मेरा फोन नंबर है। संपर्क में रहेंगे। लूट की घटना अविश्वसनीय थी। सड़क पर लोग चैन,मोबाइल खींच कर चले जाते हैं। मगर घर में घुसकर दिनदहाड़े इस तरह चूड़ियां ले जाना डर पैदा करता है।’

दूसरे दिन उसने पुलिस हवलदार को फोन किया। उसे जानकारी दी गई कि जांच जारी है। तीसरे दिन उसके सब्र का बांध टूट गया। ऑफिस से छुट्टी लेकर वह अपनी पत्नी के साथ पुलिस स्टेशन पहुंच गया। हवलदार के पास जाकर कहा- ‘रिपोर्ट लिखवानी है।’

‘ठीक है। लिख लेते हैं।’ हवालदार ने जवाब दिया। ‘बस दो मिनट में अभी आया’, उसने

हो गई?’

‘वह तो साहब के आने के बाद दर्ज होगी।’

‘साहब कहां गए?’

‘वे तो राउंड पर गए हैं। आप बैठिए शायद अभी घंटे भर में आ जाए।’

घंटा भी निकल गया। मिश्रा जी ने पुलिसवालों को टटोला- ‘साहब कब तक आयेंगे?’

‘मालूम नहीं।’

जी नंबर दिया था उस पर फोन घुमाया। उधर से जवाब मिला- ‘चिंता क्यों करते हो मिश्रा जी! जांच जारी है। रिपोर्ट भी दर्ज हो जाएगी।’

‘मगर साहब.....’

‘साहब का तो कोई पता नहीं रहता। राउंड पर निकल गए तो कब आयेंगे, कहा नहीं जा

मुठभेड़



थाना

छोटी उंगली उठाकर कर कहा।

मिश्रा जी के पास इंतजार करने के लिए अलावा कोई चारा नहीं था। दो मिनट के दस मिनट हो गए। मिश्रा जी भी बेचैन होकर हवालदार को तलाशने रूम से बाहर आ गए। तभी हवलदार, इंस्पेक्टर के रूम से बाहर आता दिखाई पड़ा।

‘चलिए’, कहते हुए उसने अपनी कुर्सी संभाली। कागज पेन उठाया। पत्नी का बयान दर्ज करने लगा। पारिवारिक स्थिति। रिश्तेदारों की जानकारी। आने-जाने वालों का व्यौरा। चूड़ियां कब खरीदी। कितने में खरीदी। बिल कहां है? चोर कैसा था? कहां था? क्यों था? आदि-आदि। दो ढाई घंटे लग गए।

मिश्रा जी ने पूछा- ‘तो एफ. आई. आर. दर्ज

सकती।’

मिश्रा जी के पास घर लौटने के अलावा और कोई चारा नहीं था।

तीसरी शाम को पति-पत्नी पुनः पुलिस स्टेशन पहुंच गए। साहब बैठे थे। सूचना दी। दस मिनट बिठाए रखा। इस बीच रिपोर्ट लिखने वाला हवालदार अंदर गया। कुछ देर बाद उन्हें अंदर बुलाया गया।

सामान्य चर्चाओं से बात की शुरुआत हुई। फिर वे अपनी कार्यप्रणाली का बखान करने लगे। मिश्रा जी मुश्किल से बात को पटरी पर लाए।

सवाल हुआ- ‘आप किसके कहने पर रिपोर्ट लिखवाने के लिए फोर्स कर रहे हैं?’

‘कौन फोर्स करेगा। मेरे घर में चोरी हुई। मैं खुद रिपोर्ट लिखवा रहा हूँ।’

पुस्तक समीक्षा

विषमताओं पर चोट करती रचनाएँ



योगेश कुमार दुबे

समीक्ष्य पुस्तक में रचनाकार ने अ प न ी स ि ह ि त य क प्रतिभा से अपनी भावनाओं को रखने का प्रयास किया है। कवि सकारात्मकता के साथ नई सोच की कल्पना करता है। इस संदर्भ में अल्बर्ट आइंस्टीन का कथन याद आता है ‘कल्पना ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि नवाचार का जन्म कल्पना से ही होता है।’ साहित्यिक कल्पना की सुंदर प्रस्तुति काव्य यात्रा को ‘शब्द शाश्वत हैं’ के रूप में साकार कर रही है।

बाल रोग चिकित्सक डॉ.अखिलेश शर्मा ने अपने प्रथम काव्य संग्रह में शायिता कविता ‘शब्द और पंचतत्व’ में अपने शब्दों को पंचतत्व में समाहित कर शब्दों को जीवन देकर शरीर और आत्मा की व्याख्या को जन्म दिया है, जो कबिले तारीफ है ।काव्य संग्रह में कलम की ताकत का उल्लेख भी है इसी कारण कवि शाश्वत रूप में परिलक्षित है।सुरज को विधाता से बड़ा बताकर उसके अस्तित्व को एक कविता में उसके जलने के प्रति समर्पण भाव की अभिव्यक्ति स्तुत्य है।

भूख, शांति, युद्ध, भाईचारे व प्यास की चिंता कर एक चिकित्सक ‘बहा दो प्रेम की नदियां’ के माध्यम से अपनी संवेदनाओं को व्यक्त करता है, और आशान्वित हैं कि हर पथ के मुसाफिर को यदि राह दिखाई जाए तो वह भटक नहीं सकता।

वर्तमान समय में आदमी अपने स्वास्थ के कारण इतना गिर चुका है कि वह अपनों के खून से होली खेलने और धर्म के नाम पर ठेकेदार बना बैठा है ।आदमी के चेहरे को पाठकों के सामने उनकी एक कविता

‘आदमी’ ला रही है। ‘खिलौने और गड़ियां’ कविता मे पुराने खिलौने की जगह पर आधुनिक खिलौने के दर्शन और ‘कैसी गुड़ियाएँ हैं?’ में वर्तमान दौर के सबसे दुखद और चुनौतीपूर्ण परिदृश्य पर कलम ने समाज से प्रश्न किया है। मासूम बच्चियों को व्याथा को कवि ने पाठक के हृदय को झकझोर दिया है।

‘कोई गीत गुनुगुनाए’ कविता में रिश्तों को ईमानदारी से निभाने और सड़क पर लड़की की चीख को दरिंदों से मुक्त कराने के भाव के साथ एकता की मिसाल व गांव के चौपालों को पहले जैसा सजाने की कल्पना काबिले तारीफ है।

संस्कार के माध्यम से संस्कार विहीन आजकी पीढ़ी पर कवि हृदय की चिंता समझी जा सकती है। संस्कारवान होना लड़कियों के साथ लड़कों को भी जरूरी है तभी समाज में समरूपता आ सकती है। ‘जिंदगी के सार’ में प्यार की सुंदर अभिव्यक्ति का दर्शन है।आज के दौर में प्रेम की ही आवश्यकता है । जब स्नेह के बंधन अटूट होंगे तो हृदय में अपने आप ही चारों धाम के दर्शन होंगे । हनुमान चालीसा को हाइकु में लिखना अपने आप एक उपलब्धि है।

अपनी कविता की शतक पुस्तक में पूर्ण करने के बाद कवि ने अपने इन्दौर को एक सशक्त शहर के रूप में स्थापित होने की कल्पना की है।

सभी कविताएँ रोचक सीधी और सरल भाषा में होने से मानस पटल पर छाप छोड़ती हैं।

चिकित्सक ने शरीर के तापमान को देखते हुए कविताओं का सृजन किया है, जो शारीरिक पीड़ा और आत्मा की अनुभूति को उर्जा और रोशनी प्रदान करती हैं।

70, पत्रकार कालोनी, इन्दौर (म.प्र.) मो.9329556748

व्यंग्य

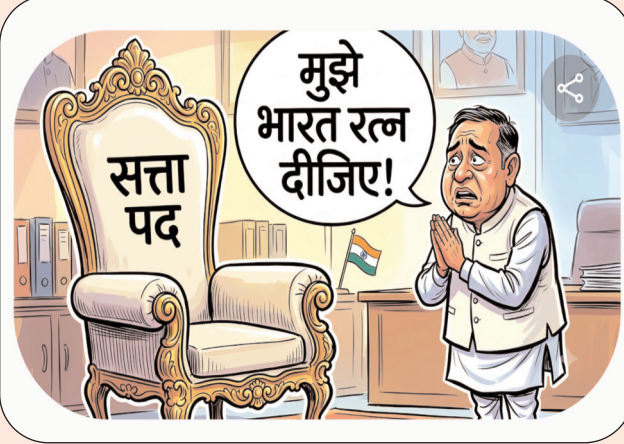
इस बार भारत रत्न मुझे दीजिए न!



भारत में रत्न व्यवसाय अत्यंत प्राचीन काल से चला आ रहा है। हमारे रत्न आज विश्व प्रसिद्ध हैं।

आजादी के बाद यह खूब फला-फूला बल्कि यों कहें तो ज्यादा ठीक होगा कि यहां से हुनर सीखकर हमारे रत्न विदेशों में पलायन करने लगे। इनका फ्यूचर उन्हें वहां ज्यादा ब्राइट लगा, अतः वे वहीं के होकर रह गये। हमारे एक भारत रत्न तो इस समय भी विदेश में रहकर जीवनयापन कर रहे हैं। भारत में रत्नों की कमी नहीं है। वैसे देखा जाये तो सबसे बढ़िया नगीने हमारी वर्तमान राजनीति में विराजमान हैं। इनका एक-एक का इतिहास उठाकर देखें तो मुंह में अंगुली दबावे के सिवा हम और कुछ कर भी नहीं कर सकते। चूंकि ये ही देश के कर्ता-धर्ता हैं, इसलिए ये ही भारत रत्न छांटते हैं और ये ही बांटते हैं। हमारे यहां हर क्षेत्र में जादूगर मौजूद हैं। साहित्य, कला, सांस्कृति, समाज, खेल अथवा राजनीति, ऐसा कौन सा क्षेत्र है- जहां जादूगरों की कमी हो। हमारे क्रिकेट के रत्न बनाम जादूगर तो सरेआम बोली से नीलाम होते हैं और मैच फिक्सिंग से अलग कमाकर देश का मान और शान दोनों बढ़ाते हैं। इनका व्यक्तिगत जीवन भी बहुत आलीशान होता है। भरपूर मान-सम्मान पाकर ये गदगद रहते हैं तथा भारत रत्न के हकदार भी बनते हैं। वैसे हमारे यहां मान-सम्मान और पुरस्कार जुगाड़ से मिलते हैं। इसलिए सभी क्षेत्रों में जुगाड़ुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। वैसे तो मैं भी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का वोटर हूँ। सरकारें बनाता और बिगाड़ता हूँ तो कभी त्रिशंकु बहुमत देकर राजनेताओं को गठबन्धन को विवश कर सत्तालोलुप बनाता हूँ। चूंकि बाद में वे सब घोटाले करके सूद सहित वसूल कर लेते हैं,

लेकिन मेरा जादू तो मानेंगे न आप। जब मैं लोकतंत्र का जादूगर हूँ तो अबकी बार भारत रत्न मुझे दे दीजिये। मैं भी भारत का रहने वाला हूँ, पिता का इकलौता रत्न हूँ, भारत की मिट्टी में पला-बढ़ा हूँ, इसलिए मेरा भी पूरा हक बनता है भारत रत्न सम्मान पर। वैसे भी मैं स्वयं एक प्रतिष्ठित रचनाकार हूँ। आजकल दूसरा कोई आपको प्रतिष्ठित माने या न मानें लेकिन खुद को इस भावना से सराबोर रखना चाहिए, ताकि गमों से मेरी जिंदगी खुशफहमी से जी सकें। इस दृष्टि से मैं अकेला वोटर ही नहीं हिन्दुस्तान का जाना-माना रचनाकार भी हूँ। इसलिए इस बार भारत रत्न मेरी झोली में डाल दिया जाये तो हर्ज



क्या है। हमारे यहां तो मरणोपरांत भारत रत्न देने की भी व्यवस्था है। जब रत्न जिंदा होता है, तब तो पता चलता नहीं है कि यह रत्न है। मृत्यु के बाद मूल्यांकन में वह भारत रत्न के योग्य बन जाता है। मेरी नजर में ऐसा सम्मान उचित नहीं है, क्योंकि इसमें जिसको भारत रत्न दिया जाता है, उसको स्वयं को पता नहीं होता है कि वह भारत का रत्न है। इस दृष्टि से भी मैं ठीक हूँ, क्योंकि मैं जीवित हूँ तथा मेरा कृतित्व एवं व्यक्तित्व दोनों निखरे हुये हैं। मैं तो केवल एप्लाई कर सकता हूँ, बाकी इस देश में जुगाड़ बैठाने की मेरी बस की बात नहीं है।

124/61-62, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) मो.: 09828024500

लघुकथा

केक



अशोक वाधवाणी

फ्लैट छोड़कर, बंगले में शिफ्ट हो चुके आभास कुमार की बेटी खुशबू का आज 10 वां जनम दिन मनाया जाएगा। बंगले के आस-पास मध्यम वर्गीय और मजदूरों की बस्ती है। वे पहले जिस पॉश एरिया में रहते थे , वहां सिर्फ धनाढ्यों के बंगले और फ्लैट थे, जबकि यहां।

खुशबू की खुशी और ज़िद के आगे झुके माता-पिता ने पास-पड़ोस के बच्चों को बुलाने का निर्णय लिया। सारे अभिभावक नियत समय पर अपने बच्चों को खुशबू के घर छोड़कर चले गए। एक बड़ा क्रीमवाला केक काटा गया। वहां उपस्थित सभी ने तालियाँ बजाकर, बर्थ दे गीत गाया। अमीर घर के बच्चों ने आगे बढ़कर , केक की क्रीम को एक दूसरे के चेहरे पर मलकर धमाचौकड़ी शुरू की । देखते-देखते आधा केक यूं ही बर्बाद हो गया। यह दृश्य देखकर मुन्नी ने अपनी सहेली से धीमे स्वर में कहा, ‘ जनम दिन पर हमारे यहां छोटा सा प्लेन केक काटा जाता है, जिसे हम दो दिनों तक थोड़ा-थोड़ा करके खाते हैं। मगर यहां तो एक ही झटके में , आधे से ज़्यादा केक खराब मुन्नी की मासूमियत पर सहेली ने मुस्कराकर, उसे चुप रहने का इशारा किया।

पो : गांधी नगर -416119, जि : कोल्हापुर , महाराष्ट्र , संपर्क : 9421216288, ई-मेल ashok.wadhvani57@gmail.com



नटो

नटखट नभ मंदिरम हुआ, अलसाईं सी शाम। धरती मन ही मन रटे ,अंबर तेरा नाम।।

छाईं है काली घटा, बादल भी घनघोर। धीरे-धीरे खिंच रही, रसभीनी सी डोर।।

बूंदों की लड़ियां सजी, बदली जाए गान। कुदरत मानो दे रही,ईश्वर का अनुदान।।

पेड़ पात से झर रहा, मधुरम सा संगीत। पंछी गाते गीत हैं, आ जाओ मनमौत।।

जयपुर, फोन : 9829577660

लघुकथा

सीलिंग



राजकुमार बह्राआ

रमेश की आंखों के सामने दो साल पुरानी वह भयानक घटना तैर रही थी । वह अपनी मारुति वैन से कॉलोनी के बच्चों को स्कूल छोड़ने का काम करता था। एक दिन बच्चों को स्कूल छोड़कर लौटते समय उसकी गाड़ी का भीषण एक्सीडेंट हो गया। हादसे में रमेश को गंभीर चोटें आईं। डॉक्टरों को उसकी जान बचाने के लिए एक पैर काटना पड़ा।

छह महीने तक अस्पताल और घर की चारदीवारी में रहने के बाद, वह बैसाखी के सहारे चलना तो सीख गया, लेकिन उसके सामने रोजगार का भीषण संकट खड़ा हो गया। उसने हिम्मत जुटाई, इधर-उधर से पैसे उधार लिए और अपने ही घर के बाहरी कमरे में एक छोटी सी किराने की दुकान खोल ली। ?लेकिन पिछले कुछ दिनों से नगर निगम द्वारा पूरे शहर में चल रही सीलिंग की कार्रवाई ने उसकी बची-कुची जिंदगी भी तहस-नहस कर दी। घर में दुकान चलाने के कारण उसकी दुकान पर भी सीलिंग का नोटिस चिपक गया और धंधा पूरी तरह बंद हो गया। आर्थिक तंगी और बेबसी ने रमेश को मानसिक रूप से तोड़कर रख दिया।

निराशा से घिरे रमेश के मन में जीवन समाप्त करने का विचार आने लगे। ?आधी रात को जब पूरा घर गहरी नींद में सोया हुआ था, रमेश ने आत्महत्या करने का फैसला किया। वह धीरे से बिस्तर से उठा और बाहर जाने लगा। पर अचानक उसके कदम टिठक गए। उसने पलटकर देखा—जमीन पर बिछोने पर उसकी पत्नी और दोनों मासूम बच्चे बेखबर सो रहे थे।

रमेश वहीं जमीन पर धड़ाम से बैठ गया और अपनी आंखें बंद कर ली।

भोपाल

लघुकथा

गमछे के सौ रुपये

मनहरण

‘बाबू, प्रणाम! बहुत आशीर्वाद... कुछ हमरी दै।’ पंडित ने हाथ आगे बढ़ाया। अरुण मिश्र ने जब से कुछ खुले पैसे निकाले और उनकी ओर बढ़ा दिए। पंडित जी ने खुले पैसे देखे तो चेहरा पिनक गया।

‘नै! ब्राह्मण के दान करहऽ त सौ टका निक हेथन, मास्टर साहब! ’

अरुण चौंका: ‘मैं मास्टर नहीं हूँ, पंडित जी। नौकरी छोड़ दी है। अभी वकालत शुरू की है। खुद का गुजर भी मुश्किल है, लेकिन मेहनत कर रहा हूँ। ’

‘तऽ सौ टका दियो न! गमछा खातिर। ’

अरुण ने उनके कंधे पर पड़े गमछे और साफ-सुथरे धोती-कुर्ते को देखा।

‘आपके पास तो गमछा है,इतना बढ़िया धोती-कुर्ता पहने हैं।’

‘गमछा पुरान भेलै। ’

अरुण कुछ क्षण चुप रहा, फिर बोला- ‘ मैं भी ब्राह्मण हूँ। लेकिन आप जैसे लोग जब हाथ फैलाते हैं, तो सिर्फ पैसे नहीं माँगते... ब्राह्मण की छवि भी साथ लेकर घूमते हैं।’

पंडित जी चुपचाप सुनते रहे ।

अरुण का स्वर और गंभीर हो गया, ‘ आज हालात ऐसे हैं कि कुछ संगठन ब्राह्मणों को लेकर पहले से ही आक्रामक बातें करते हैं। ऐसे माहौल में आप जैसे लोग जब ब्राह्मण होने के नाम पर दान माँगते हैं, तो लोग पूरी जाति को उसी नजर से देखने लगते हैं। ’

अरुण ने जब में बचे पैसे निकाले और उनकी हथेली पर रख दिए।

मन कचोट रहा था, एक ब्राह्मण को गमछे के सौ रुपये तक नहीं दे सका। उसने अपनी जेब टटोली। जेब खाली थी. उसी क्षण उसे याद आया, आज रात उसके अपने घर में भोजन बनेगा भी या नहीं.

सनातन नगर, वार्ड नंबर- 7, अररिया पब्लिक स्कूल, अररिया-854311 मो. 9471249998

कविता

अभिव्यक्ति दर्द की

पुष्कराय जोशी

शायरी में प्रगटती गई दिल की दर्द भरी आह, श्रोता के मुंह से निकलती रही वाह वाह! संगीतकार टूटता रहा वीणा के तार में श्रोता धन बरसाते रहे उपहार में। चित्रकारने रक्त में तूलिका डुबो कर

प्रगट की दिलकी ज्वाला, तो बिक गये चित्र लाखों में किंतु बड़े आघातसे बने पागलने अपने बाल खिंचकर, चिल्लाकर, कपड़े फाड़कर अपना दु:ख व्यक्त किया तो लोगों ने क्रूरता से हड़पूत किया।

479 गुजरात हाऊसिंग बोर्ड, कनकोट पाटिया कालवाड़ रोड, राजकोट - 360005, मो .9925165164

बलरामपुर जिला अस्पताल में प्रशासनिक फेरबदल

डॉ. शशांक गुप्ता को सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक की जिम्मेदारी

विश्व केसरी■ **बलरामपुर (आफताब आलम)।** जिला अस्पताल बलरामपुर में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के पद को लेकर उठे सवालों के बीच छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर से 16 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, डॉ. रामप्रसाद तिकी को जिला चिकित्सालय बलरामपुर के प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के पद से हटाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर में पदस्थ किया गया है। वहीं, राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉ. शशांक गुप्ता को जिला चिकित्सालय बलरामपुर का प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बनाया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के इस आदेश के बाद जिला अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव हुआ है। वहीं, राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं, आयुष्मान भारत योजना के तहत खरीदी पर उठे



विश्व केसरी खबर का असर

सवालों और विभागीय जांच की स्थिति को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, शासन के स्थानांतरण आदेश में इन कथित अनियमितताओं को कार्रवाई का कारण नहीं बताया गया है। इसलिए दोनों घटनाक्रमों को सीधे तौर पर जोड़ने से पहले आधिकारिक तथ्यों की पुष्टि आवश्यक है।

खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक बदलाव पर चर्चा

जिला अस्पताल में सिविल सर्जन सह अस्पताल प्रबंधक की जिम्मेदारी और राजपुर सीएचसी से जुड़े कथित वित्तीय मामलों को लेकर पहले भी सवाल उठाए गए थे। इन सवालों के केंद्र में ऑडिट संबंधी आपत्तियों, खरीदी प्रक्रिया, बिल-वाउचर, भुगतान अभिलेखों और वित्तीय जांच की वास्तविक स्थिति जैसे मुद्दे शामिल रहे हैं।

अब 16 अक्टूबर को जारी स्थानांतरण आदेश के बाद जिला अस्पताल की जिम्मेदारी डॉ. शशांक गुप्ता को सौंप दी गई है। डॉ. रामप्रसाद तिकी को राजपुर सीएचसी भेजे जाने से प्रशासनिक फेरबदल तो स्पष्ट है, लेकिन इस बदलाव का कथित अनियमितताओं की जांच से

अधीक्षक की जिम्मेदारी देने तथा बाद में स्थानांतरित करने के संबंध में विभागीय अभिलेखों में क्या प्रशासनिक आधार दर्ज हैं? इस विषय में शासन के आदेश से आगे की जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है।

छद्म सवाल: जिला अस्पताल में भविष्य की खरीदी, सामग्री की प्राप्ति, स्टॉक सत्यापन, बिलों के अनुमोदन और भुगतान की निगरानी के लिए कौन-सी व्यवस्था लागू की जाएगी, ताकि वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके?

नई जिम्मेदारी के साथ डॉ. शशांक गुप्ता के सामने प्रशासनिक चुनौती

डॉ. शशांक गुप्ता को जिला अस्पताल का प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बनाए जाने के बाद अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्था, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, दवा एवं चिकित्सा सामग्री की उपलब्धता और खरीदी-भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण रहेगा।

जिला अस्पताल आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में अस्पताल के

अवैध रेत परिवहन मामले में जेसीबी ऑपरेटर को 3 वर्ष का कठोर कारावास

विशेष अभियान में दर्ज प्रकरण पर न्यायालय का फैसला

विश्व केसरी■ **बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)।** जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने चलाए गए विशेष अभियान के तहत दर्ज एक प्रकरण में न्यायालय ने जेसीबी मशीन ऑपरेटर को तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश, खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, बिलासपुर ने आज आरोपी अनिल कुमार गौलिया को दोषसिद्ध करते हुए विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत कुल 26 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया है।

उप संचालक खनिज प्रशासन बिलासपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर 15 जून 2025 से खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया गया था। इसके तहत खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 66 प्रकरणों में जिले के विभिन्न थानों में एकआईआर दर्ज कराई गई थी। इन्हीं में शामिल एक प्रकरण में 17 जून 2025 को नगईं घाट स्थित अरपा नदी से जेसीबी वाहन क्रमांक सीजी 11 एबी 3246 के माध्यम से रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर कार्रवाई की गई थी। वाहन को पुलिस चौकी बेलगहना की अभिरक्षा में रखा गया था। मामले में करगारोड कोटा डाकबंगला निवासी जेसीबी ऑपरेटर अनिल कुमार गौलिया, पिता तिलक राम गौलिया के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया था।

यायालय ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), सहपठित धारा 3(5) के अंतर्गत आरोपी को तीन वर्ष के कठोर कारावास एवं एक हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। साथ ही खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 4(1), 4(क1) एवं 21 के अंतर्गत 25 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। खनिज विभाग के अनुसार, इस कार्रवाई से अवैध उत्खनन और परिवहन में संलग्न लोगों को हतोत्साहित करने तथा खनिज संपदा के संरक्षण में मदद मिलेगी।

तात्कालिक अनुविभागीय अधिकारी इन्द्रजीत बर्मन को सुप्रीम कोर्ट से नोटिस

विश्व केसरी■ **सक्ती (ईश्वर लोधी)।** सुप्रीम कोर्ट द्वारा तात्कालिक अनुविभागीय अधिकारी इन्द्रजीत बर्मन सहित अन्य 2 को समंस जारी कर सुप्रीम कोर्ट में 28 नवम्बर तक उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है।

पूरा मामला यह है कि तात्कालिक अनुविभागीय अधिकारी इन्द्रजीत बर्मन वर्ष 2018-19 में अपने पूरे कार्यकाल में जगदीश बंसल एवं उसके पूरे परिवार को व्यक्तितर रंजिश रखते हुए विधि विरुद्ध नोटिस प्रेषित कर शारीरिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था और परेशान न करने के फलस्वरूप 05 लाख रुपये की अवैध राशि की

एवं प्रभाव का दुरुपयोग करने के संबंध में की गई विधि विरुद्ध एफ.आई.आर. के फलस्वरूप हुई ख्याति एवं प्रतिष्ठा, आर्थिक नुकसान को लेकर 01 करोड़ रुपये का मामला बर्मन के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया। जिला न्यायालय एवं उच्च न्यायालय से असफलता मिलने पर बंसल द्वारा सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में बर्मन के विरुद्ध 01 करोड़ रुपये मानहानि स्वरूप दिलाये जाने के संबंध में एस.एल.पी. प्रस्तुत की गई। दिनांक 13.10.2026 को प्रस्तुत उक्त एफ.आई.आर. को स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बर्मन सहित अन्य 02 को न्यायालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने हेतु आदेशित किया गया है।

रबी फसलों की तैयारी को लेकर संभागायुक्त ने की समीक्षा फसल विविधीकरण और उत्पादन बढ़ाने पर जोर

विश्व केसरी■ **बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)।** संभागायुक्त सुनील जैन ने कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर रबी फसलों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने किसानों की जरूरत के अनुरूप खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने तथा कृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त जैन ने दलहन, तिलहन एवं अन्य लाभकारी फसलों की खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने फसलवार रकबे, उत्पादन एवं उत्पादकता की पिछले वर्ष से तुलना कर प्रगति का आकलन करने को कहा। रबी

आर्थिक लाभ का आकलन करने को कहा। पशुपालन विभाग को पशुधन विकास एवं विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर ध्यान दें। निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति की नियमित समीक्षा कर कमियों को दूर करें, ताकि किसानों को योजनाओं का समय पर लाभ मिल सके। बैठक में डिप्टी कमिश्नर स्मृति तिवारी, हरिशंकर चौहान सहित कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

शोक संतप्त राठौर परिवार से मिले डॉ. चरणदास महंत नगर कांग्रेस अध्यक्ष के पिता गोपाल राठौर के निधन पर जताई गहरी संवेदना

विश्व केसरी■ **सक्ती (ईश्वर लोधी)।** नगर कांग्रेस कमेटी सक्ती के अध्यक्ष राकेश राठौर के पिताजी गोपाल राठौर जी के दुःखद निधन पर नेता प्रतिपक्ष एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने उनके बाराद्वार रोड स्थित निज निवास पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। डॉ. महंत ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और इस कठिन समय में पूरे परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की।

गोपाल राठौर जी पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुख की घड़ी में ढांढस बंधाने पहुंचे वरिष्ठ नेताओं ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मिलकर कहा कि पिता का साया उठान एक अपूरणीय क्षति है और वे इस मुश्किल समय में पूरी तरह राठौर परिवार के साथ खड़े हैं।

श्रद्धांजलि देने पहुंचे क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और कांग्रेसी नेता

इस दुखद अवसर पर शोक व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक राठौर निवास पहुंचे। कांग्रेस पदाधिकारी व वरिष्ठ नेता: जिला कांग्रेस अध्यक्ष रश्मि गबेल, बलराम महाराज, गिरधर जायसवाल, महबूब खान, गुलजगर सिंह, घनश्याम पांडे, नरेश गेवाड़िन, पिंटू ठाकुर, और नारायण गबेल। राठौर परिवार एवं आत्मीय जन: केशव राठौर, राजू राठौड़, जिवेन्द्र राठौर, महादेव राठौर, नंदलाल राठौर, रमेश राठौड़, झबूबू राठौर, देवेन्द्र राठौर, यशवंत राठौर, राकेश राठौर, अनिल राठौड़, सुनील राठौर, और धनंजय राठौर। स्थानीय जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता: घनश्याम देवांगन, श्यामू जायसवाल, संतोष सोनी, धुरु अग्रवाल, रथराम पटेल, मनोज जायसवाल, पीयूष राय, श्याम सोनी, और बंटी धनंजय। इस दौरान क्षेत्र के अन्य गणमान्य नागरिकों और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी राठौर निवास पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान किया और अपनी श्रद्धांजलि दी।

कलेक्टर और एसएसपी ने ली शांति समिति की बैठक सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं पर्व, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का रखें ध्यान

विश्व केसरी■ **बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)।** नवरात्रि, दशहरा एवं दुर्गा विसर्जन के दौरान शांति, सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने जिला कार्यालय में शांति समिति की बैठक ली। उन्होंने बिलासपुर की सौहार्दपूर्ण परंपरा के अनुरूप आपसी सहयोग और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि त्योहारों का आयोजन शहर की गरिमा और सुंदर परंपराओं के अनुरूप किया जाएगा।

कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि पर्वों की खुशियों के साथ आम नागरिकों की ज़रूरी है। रावण दहन के लिए सुरक्षित स्थल का चयन किया जाए। विशेष रूप से यह सुनिश्चित करें कि पुतले के ऊपर

अथवा आसपास बिजली के तार न हों। आयोजन स्थल पर भीड़ के सुरक्षित आवामन और अग्नि सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। दुर्गा विसर्जन के दौरान यातायात व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। शहर के संकरे मार्गों और नागरिकों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए विसर्जन रूट को अंतिम स्वरूप देने के लिए आयोजन समितियों के साथ पुलिस और प्रशासन की बैठक होगी। इसमें विसर्जन मार्ग एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर समन्वय किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं के साथ आम राहगीरों को भी असुविधा न हो। एसएसपी रजनेश सिंह ने कहा कि सभी आयोजन समितियों को डीजे एवं साउंड सिस्टम के संबंध में लागू नियमों और निर्धारित ध्वनि सीमा का पालन करना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुरूप कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आयोजन समितियों

जीआरसी के खिलाफ कार्यवाही की मांग लेकर निषाद समाज पहुंचा थाने

विश्व केसरी■ **भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)।** संगवारी जेंडर संसाधन केंद्र हंचलपुर की महिलाओं पर धमकी चमकी देने और कोर्ट-कचहरी में घसीटने की बात से नाराज निषाद समाज के पदाधिकारियों द्वारा भानुप्रतापपुर थाने में आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की गई है। समाज के लोगों ने बताया कि ग्राम भेंडरा निवासी रागिनी उर्फ हेमा प्रभा का विवाह सामाजिक रीति रिवाज से ग्राम करमोती के राम दुलार से मई 2025 में हुआ था।

दोनों के बीच आपसी विवाद बढ़ने के बाद 2 अगस्त 2026 को ग्राम रामपुर भखरा में मामले की आयोजित कर दोनों पक्षों का मुख्य सामग्री आदान-प्रदान के साथ

और सर्व समाज जनों की बैठक के दौरान जीआरसी की 5 महिलाओं द्वारा समाज के लोगों को कचहरी में घसीटने और धमकी चमकी देने से नाराज होकर करमोती के ग्रामीणों के साथ निषाद समाज के पदाधिकारियों ने भानुप्रतापपुर थाने में जाकर पांचो महिलाओं चंद्रिका, पूर्णिमा, कौशल्या, उर्वशी, थानेश्वरी आदि के ऊपर कार्यवाही को लेकर नामजद आवेदन दिया गया। गांव में बैठक के दौरान निषाद समाज के समस्त पदाधिकारी एवं करमोती झालो पारा के ग्रामीण, ग्राम पटेल चंद्रकांत, उप सरपंच लीलेश दुगा,

कोटवार सुनील मांडवी, लता पटेल, झामीन निषाद, अहिमत निषाद, हितेश्वरी निषाद, रेखा, बिशाखा, धुनेश्वरी, सियाबती, किरण, सुनीता, हरिशंकर, पुरुषोत्तम, भरत, भगवानी, रामदास, नरसिंह, गिरधारी, राम चरण एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

चाम्पा में तपसी बाबा और डोंगा घाट में चला सफाई अभियान

विश्व केसरी■ **जांजगीर-चांपा।** 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर शासन प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और आम जनता के सहयोग से चाम्पा में हसदेव नदी के तट पर बने तपसी बाबा घाट और डोंगा घाट में जिला कलेक्टर संजय महोबे के नेतृत्व में साफ सफाई अभियान चलाया गया। घाट में पड़े कई टन कचरे को मानव श्रृंखला बनाकर बाहर किया गया।

कलेक्टर संजय महोबे खुद इस कार्य में तन्मयता के साथ लगे रहे और सफाई कर्मचारियों से आत्मीयता से बात करते हुए स्वास्थ्य शिविर लगाने हेतु निर्देश

दिल्ली में लगातार प्रदर्शनों से व्यापारियों को 3,000 करोड़ रुपए का नुकसान

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार विरोध-प्रदर्शनों से व्यापारियों को होने वाले नुकसान पर चिंता जताते हुए उद्योग संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने शनिवार को कहा कि अक्टूबर में चल रहे प्रदर्शनों के कारण दिल्ली के व्यापार को अब तक लगभग 3,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। साथ ही, रास्ते बंद होने से सप्लाय चेन भी टूट गई है।

सीटीआई के चेयरमैन ब्रजेश गोयल ने कहा, ‘10 अक्टूबर को हुए पहले प्रदर्शन में 2000 करोड़ रुपए और 13 से 16 अक्टूबर के बीच सेंट्रल दिल्ली में हुई नाकाबंदी, मेट्रो बंदी और सेंट्रल पार्क बंद होने से अतिरिक्त 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।’

उद्योग संगठन ने बताया कि इन विरोध प्रदर्शनों से नवरात्रि और दीपावली की पीक में खरीदारी ठप होने से सबसे अधिक नुकसान रिटेल क्षेत्र को हुआ है, जो कि करीब 1,800 करोड़ रुपए का रहा है। इससे सदर बाजार, चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, भागीरथ प्लेस, गांधी नगर,



नया बाजार, खारी बावली, करावल नगर, करोल बाग, लाजपत राय मार्केट, कर्नाट प्लेस सहित दिल्ली के 700 से ज्यादा बाजार प्रभावित हुए। वहीं, सोनीपत, पानीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और राजस्थान से दिल्ली आने वाले 3-4 लाख थोक खरीदार के नहीं आने से थोक

व्यापार को करीब 600 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, ट्रकों की आवाजाही रुकने से सप्लाय चेन भी टूट गई है, जिससे त्योहारों के लिए तैयार समान गोदामों में ही पड़ा हुआ है।

सीटीआई ने बताया कि इसके अलावा, इन विरोध-प्रदर्शनों से हॉस्पिटलटी और

सर्विस सेक्टर को 300 करोड़ रुपए, ट्रांसपोर्ट, ऑटो-टेक्सी और टूरिज्म को 180 करोड़ रुपए और अनौपचारिक सेक्टर (दिहाड़ी मजदूर, कारीगर, लोडिंग) को 120 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

गोयल ने आगे कहा, ‘नवरात्रि, रामलीला और दीपावली हमारे लिए पूरे साल की कमाई का एकमात्र महीना है। अगर अब भी हर हफ्ते विरोध-प्रदर्शन होता रहा तो दीपावली तक नुकसान 10,000 करोड़ रुपए को पार कर जाएगा।’ सीटीआई ने सरकार से मांग की कि दीपावली तक सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली और लुटियंस जोन में किसी भी धरने-प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगाई जाए।

भविष्य के लिए बाहरी दिल्ली जैसे बुराड़ी, रोहिणी, द्वारका में विरोध-प्रदर्शन जोन बनाया जाए। साथ ही, अक्टूबर में हुए 3,000 करोड़ रुपए के नुकसान के लिए व्यापारियों को राहत पैकेज, बिजली-पानी के बिल और जीएसटी में छूट दी जाए।

वहीं, पुलिस प्रशासन दुकानदारों पर जबरन दुकान बंद करने का दबाव न बनाए, बल्कि बाजार खुले रखने की सुरक्षा दे।

यूएस ट्रेजरी में चीन की घटी हिस्सेदारी, भारत की होल्डिंग बढकर 219 अरब डॉलर के पार

विश्व केसरी■
वाशिंगटन। यूएस ट्रेजरी में चीन की हिस्सेदारी अगस्त में तेजी से गिरी है, जबकि भारत की होल्डिंग में लगातार तीसरे महीने इजाफा दर्ज किया गया है। यह जानकारी अमेरिकी सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में दी गई।

ट्रेजरी इंटरनेशनल कैपिटल (टीआईसी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है कि अगस्त के अंत में चीन की होल्डिंग्स जुलाई के 618 अरब डॉलर से घटकर 590.7 अरब डॉलर रह गई हैं। यह आंकड़ा एक साल पहले अगस्त 2025 में 699.7 अरब डॉलर पर था। यह दिखाता है कि बीते 12 महीनों में चीन की यूएस ट्रेजरी होल्डिंग्स में लगभग 109 अरब डॉलर की कमी आई है।

अगस्त में भारत की होल्डिंग्स जुलाई के 202.6 अरब डॉलर से बढ़कर 219.7 अरब डॉलर हो गई हैं, जो एक ही महीने में लगभग 17 अरब डॉलर की बढ़ोतरी को दिखाता है। इस साल अप्रैल में



भारत की होल्डिंग्स गिरकर 181 अरब डॉलर के निचले स्तर पर आ गई थीं, लेकिन उसके बाद इनमें लगातार सुधार हुआ है और मई में ये 181.3 अरब डॉलर, जून में 186.4 अरब डॉलर और जुलाई में 202.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई। अब ये लगभग उसी स्तर पर वापस आ गई हैं, जहां एक साल पहले थीं।

ताजा आंकड़ों के बाद, दो एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की होल्डिंग्स के बीच का अंतर, जो

एक साल पहले लगभग 480 अरब डॉलर था, अब घटकर लगभग 371 अरब डॉलर रह गया है।

अमेरिकी ट्रेजरी की प्रमुख विदेशी धारकों की सूची में, भारत 14वें स्थान पर है। इस सूची में हांगकांग 261.5 अरब डॉलर के साथ भारत से आगे है, जबकि नॉर्वे 214 अरब डॉलर के साथ भारत के ठीक पीछे है।

जापान 1,068.3 अरब डॉलर की होल्डिंग के साथ सबसे बड़ा

विदेशी धारक बना हुआ है, हालांकि जुलाई में इसकी होल्डिंग 1,103.9 अरब डॉलर थी। यूनाइटेड किंगडम 1,009.5 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर है। चीन (मुख्य भूमि) तीसरे स्थान पर है। इसके बाद बेल्जियम 490.5 अरब डॉलर, कनाडा 464.6 अरब डॉलर, केमैन आइलैंड्स 463 अरब डॉलर और लक्जमबर्ग 448.2 अरब डॉलर का स्थान है। यूएस ट्रेजरी ने बताया कि अगस्त में 199.8 अरब डॉलर का नेट टीआईसी इनफ्लो हुआ। इसमें कहा गया है, ‘विदेशी निवासियों ने अगस्त में दीर्घकालिक अमेरिकी सिक्क्योरिटीज में अपनी होल्डिंग बढ़ाई, उनकी शुद्ध खरीदारी 300.7 अरब डॉलर रही।’ वहीं दूसरी ओर, ‘विदेशी निवासियों ने अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में अपनी होल्डिंग 47.8 अरब डॉलर कम कर दी।’

ट्रेजरी के अनुसार, सितंबर महीने के आंकड़ों को कवर करने वाली अगली टीआईसी रिपोर्ट 18 नवंबर को जारी की जाएगी।

एचडीएफसी बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा करीब 5 प्रतिशत बढ़ा; प्रोविजनिंग 3,500 करोड़ रुपए के पार

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत बढ़कर 19,510 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 18,641 करोड़ रुपए था।

बैंक की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में उसका परिचालन से मुनाफा 5.6 प्रतिशत बढ़कर 29,483 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि सितंबर 2025 तिमाही में 27,923 करोड़ रुपए था।

उसकी शुद्ध ब्याज आय सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 34,619 करोड़ रुपए हो गई है। शुद्ध ब्याज अंतर (मार्जिन) 3.16 प्रतिशत रहा है।

वित्त वर्ष 27 की सितंबर तिमाही में बैंक का ग्रांस एनपीएस



1.11 प्रतिशत पर रहा है, जो कि पहले 1.17 प्रतिशत पर था। इस दौरान नेट एनपीए 0.41 प्रतिशत से घटकर 0.37 प्रतिशत पर आ गया है।

हालांकि, बैंक की प्रोविजनिंग में बढ़त दर्ज की गई है और यह 31.87 लाख करोड़ रुपए हो गई

है, जो कि एक साल पहले 3,500 करोड़ रुपए और पिछली तिमाही में 3,059 करोड़ रुपए थी।

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में एचडीएफसी बैंक के प्रबंधन के तहत औसत एडवांस सालाना आधार पर 14.1 प्रतिशत बढ़कर 31.87 लाख करोड़ रुपए हो गए।

सितंबर के अंत में ग्रांस एडवांस 32.20 लाख करोड़ रुपए रहे, जो एक साल पहले की तुलना में 16.3 प्रतिशत अधिक हैं।

रिटेल लोन में सालाना आधार पर 11.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों को दिए गए लोन में 23.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। औसत जमा राशि सालाना आधार पर 16.8 प्रतिशत बढ़कर 31.66 लाख करोड़ रुपए हो गई। औसत सीएएसए जमा राशि सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत बढ़कर 9.71 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

30 सितंबर 2026 तक, बैंक के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में 4,177 शहरों/कस्बों में 9,706 शाखाएं और 20,881 एटीएम शामिल थे, जबकि 30 सितंबर 2025 तक 4,156 शहरों/कस्बों में 9,545 शाखाएं और 21,417 एटीएम थे। इनमें से 50 प्रतिशत शाखाएं अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हैं।

बाजार की पाठशाला: रिटायरमेंट के बाद चाहिए प्रतिमाह 50,000 रुपये की इनकम?



विश्व केसरी■
नई दिल्ली। रिटायरमेंट प्लानिंग केवल बचत जमा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसा फंड तैयार करना भी जरूरी है जो नौकरी के बाद नियमित आय देता रहे। बढ़ती महंगाई और लंबी जीवन प्रत्याशा को देखते हुए वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि रिटायरमेंट के लिए जल्द से जल्द निवेश शुरू करना चाहिए।

रिटायरमेंट के बाद नियमित आय पाने के लिए सिस्टमेटिक विट्रड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) एक लोकप्रिय विकल्प माना जाता है। इसके जरूरतों को देखते हुए निवेश करना चाहिए और बीमा की व्यवस्था भी अलग से रखनी चाहिए ताकि अचानक आने वाले खर्चों से रिटायरमेंट फंड प्रभावित न हो। अब अगर किसी को रिटायरमेंट के बाद हर महीने 50,000 रुपए का इनकम चाहिए, तो उसे हर महीने कितने रुपए का निवेश करना होगा और कैसे निवेश की प्लानिंग करनी होगी, चलिए जानते हैं। यदि कोई

जरूरतों, स्वास्थ्य खर्च, महंगाई और भविष्य की अन्य आवश्यकताओं का आकलन करना जरूरी है। एक सामान्य नियम यह भी माना जाता है कि रिटायरमेंट कॉर्पस का अनुमान लगाने के लिए मौजूदा मासिक आय का लगभग 300 गुना फंड तैयार होना चाहिए।

निवेशकों को अपनी उम्र, जोखिम उठाने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार इक्विटी, पीपीएफ, ईपीएफ, एनपीएस, बॉन्ड और अन्य निवेश विकल्पों का मिश्रण चुनना चाहिए। साथ ही आपातकालीन फंड और बीमा की व्यवस्था भी अलग से रखनी चाहिए ताकि अचानक आने वाले खर्चों से रिटायरमेंट फंड प्रभावित न हो। अब अगर किसी को रिटायरमेंट के बाद हर महीने 50,000 रुपए का इनकम चाहिए, तो उसे हर महीने कितने रुपए का निवेश करना होगा और कैसे निवेश की प्लानिंग करनी होगी, चलिए जानते हैं। यदि कोई

व्यक्ति रिटायरमेंट के बाद हर महीने 50,000 रुपए की आय चाहता है और उसकी जीवन प्रत्याशा 85 वर्ष मानी जाए, जबकि महंगाई की दर 6 प्रतिशत और निवेश पर औसत रिटर्न 12 प्रतिशत रहे, तो आवश्यक निवेश उम्र के अनुसार बदलता है।

यदि कोई व्यक्ति 20 वर्ष की उम्र से निवेश शुरू करता है और 60 वर्ष की उम्र में रिटायर होना चाहता है, तो उसे लगभग 13,114 रुपए प्रति माह निवेश करना होगा। इससे करीब 15.42 करोड़ रुपए का कॉर्पस तैयार हो सकता है। वहीं 25 वर्ष की उम्र में शुरूआत करने पर हर महीने लगभग 17,928 रुपए का निवेश करना होगा, जिससे करीब 11.52 करोड़ रुपए का फंड तैयार हो सकता है।

वहीं, यदि निवेश की शुरुआत 30 वर्ष की उम्र में की जाए तो मासिक निवेश बढ़कर लगभग 24,650 हो जाएगा और अनुमानित कॉर्पस 8.61 करोड़ रुपए रहेगा।

पशु चारे में इस्तेमाल होने वाले चोकर से बनाया जा रहा था बिस्किट, एफएसएसएआई ने कंपनी के खिलाफ शुरू की कार्रवाई

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए कड़े नियमों का पालन सुनिश्चित कर रहा है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा के गंभीर उल्लंघनों के लिए मेसर्स सूर्य फूड एंड एग्रो लिमिटेड (प्रियागोल्ड बिस्किट्स), मेसर्स डोडला डेयरी लिमिटेड और मेसर्स उडर ऑर्गेनिक फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके अलावा, नपथम फूड्स, सन रिजेंस हेल्थ केयरर्स और मेसर्स शाह कान्तिलाल जयंतिलाल को भी नोटिस जारी किए गए हैं।

एफएसएसएआई ने शनिवार को बताया कि उसने ‘प्रियागोल्ड बिस्किट’ बनाने वाली कंपनी ‘सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड’ के



खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। (फूड रेगुलेटर) ने बताया कि एक उपभोक्ता कंपनी पर आरोप है कि उसने बिस्कुट बनाने की शिकायत के बाद ‘सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड’ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दौरान खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के लिए होता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर एक बयान में खाद्य नियामक

ने बताया कि एक उपभोक्ता की शिकायत के बाद ‘सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड’ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दौरान खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के लिए होता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर एक बयान में खाद्य नियामक

बना चोकर का इस्तेमाल ‘प्रियागोल्ड’ बिस्किट बनाने में फाइबर के स्रोत के रूप में किया जा रहा था। चोकर से भरे बोरों पर साफ तौर पर लिखा था कि यह सामग्री पशुओं के चारे के लिए है।

एफएसएसएआई ने बताया कि इसके अलावा प्लांट की स्वच्छता, कोट नियंत्रण (पेस्ट कंट्रोल), कच्चे माल के भंडारण और उसे अलग-अलग रखने की व्यवस्था, कर्मचारियों की साफ-सफाई, परिसर के रखरखाव और बीच के चरणों वाले फॉर्मलेशन को संभालने के तरीकों में भी कमियां पाई गईं। एफएसएसएआई ने आगे कहा कि ‘निरीक्षण के दौरान नियमों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने के बाद ‘सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड’ का एफएसएसएआई लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया है।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़ा

विश्व केसरी■
मुंबई। आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। बैंक का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 20.1 प्रतिशत बढ़कर 14,843 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 12,359 करोड़ रुपए था।

वित्त वर्ष 27 की जुलाई-सितंबर अवधि में बैंक का मुनाफा बढ़ने के साथ एसेट क्वालिटी में सुधार और प्रोविजनिंग में कमी देखी गई है।

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में बैंक का ग्रांस एनपीए घटकर 1.20 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछली तिमाही में 1.38 प्रतिशत था। वहीं, इस दौरान नेट एनपीए 0.35 प्रतिशत से कम होकर 0.30 प्रतिशत हो गया है।

वहीं, निजी बैंक की प्रोविजनिंग गिरकर 851 करोड़ रुपए पर आ गई है, जो कि जून



तिमाही में 1,260 करोड़ रुपए और एक साल पहले समान अवधि में 914 करोड़ रुपए पर थी। वित्त वर्ष 27 की सितंबर तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 18 प्रतिशत बढ़कर 25,339 करोड़ रुपए हो गई

है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 21,529 करोड़ रुपए पर थी। बैंक का शुद्ध ब्याज अंतर (एनआईएम) पिछली तिमाही के 4.36 प्रतिशत से घटकर 4.18 प्रतिशत हो गया है।

इसके अलावा, बैंक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास एक आवेदन दायर किया है। इसमें प्रदीप कुमार सिन्हा को 1 जुलाई 2027 से 16 फरवरी 2029 तक बैंक के नॉन-एजीक्यूटिव पार्ट-टाइम चेयरपर्सन के पद पर बने रहने के लिए मंजूरी मांगी गई है।

यह प्रस्तावित अवधि उनके उस कार्यकाल के भीतर आती है, जिसके लिए बैंक के बोर्ड और शेयरधारकों ने पहले ही उन्हें स्वतंत्र निदेशक के रूप में मंजूरी दे दी है।

पिछले कारोबारी सत्र में आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,397 रुपए पर बंद हुआ। बीते एक महीने में शेयर ने करीब 4 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जबकि बीते एक साल में शेयर में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

वो समझी प्यार खत्म हो गया, उसे लगा वो सीरियस नहीं... फिर खुला गलतफहमी का राज



नायरा और रेयान एक-दूसरे को पसंद करते हैं, लेकिन एक छोटी-सी गलतफहमी उनके बीच दूरियां बढ़ा देती है. क्या दोनों अपने रिश्ते को एक मौका दे पाएंगे ? पढ़िए प्यार, भरोसे और बातचीत की अहमियत बताने वाली यह प्यारी मॉडर्न लव स्टोरी.

रात को सोने से पहले अगर कोई प्यारी-सी कहानी पढ़ने को मिल

जाए, तो दिन की थकान के बीच चेहरे पर मुस्कान आ ही जाती है. इसी एहसास के साथ हम हर रात आपके लिए लेकर आते हैं एक नई लव स्टोरी. इन कहानियों में होगा आज की जनरेशन वाला प्यार, रिश्तों की उलझनें, कुछ अनपेक्षित मोड़ और एक ऐसी सीख, जो दिल को छू जाए. हमारी आज की कहानी है दो ऐसे लोगों की, जो एक-दूसरे को

पसंद तो करते हैं, लेकिन अपनी बात कहने से डरते हैं. दोनों की सोच अलग है, प्यार जताने का तरीका अलग है, लेकिन एक छोटी-सी घटना उन्हें समझाती है कि किसी रिश्ते को खूबसूरत बनाने के लिए सिर्फ साथ होना नहीं, एक-दूसरे को समझना भी जरूरी है. पढ़िए आज की प्यारी-सी कहानी...

कहानी: एक गलतफहमी,

जिसने प्यार का मतलब समझाया

नायरा और रेयान की मुलाकात एक दोस्त की बर्थडे पार्टी में हुई थी. नायरा को बेवजह की तारीफें पसंद नहीं थीं और रेयान उन लोगों में था, जो हर बात को मजाक में टाल देता था. पहली मुलाकात में दोनों की खूब बहस हुई, लेकिन शायद इसी नोकझोंक ने उन्हें एक-दूसरे के करीब ला दिया.

रे-धीरे बातचीत बढ़ने लगी. सुबह की कॉफी से लेकर रात के मीम्स तक, दोनों की जिंदगी में एक-दूसरे की जगह बनने लगी. नायरा को रेयान का मुश्किल वक्त में हंसाना अच्छा लगता था, जबकि रेयान को नायरा की यह आदत पसंद थी कि वह उसकी छोटी-छोटी बातों को भी याद रखती थी.

कुछ महीनों बाद रेयान ने तय किया कि वह नायरा को अपने दिल की बात बताएगा. उसने अपने दोस्तों से सलाह ली, एक अच्छा-सा कैफे चुना और मिलने का प्लान बनाया. लेकिन मुलाकात से ठीक पहले नायरा का मैसेज आया, 'आज नहीं मिल सकती. कुछ जरूरी काम है.'

रेयान को बुरा लगा. उसे लगा कि नायरा शायद इस रिश्ते को लेकर

उतनी गंभीर नहीं है. अगले कुछ दिनों तक उसने खुद से मैसेज करना कम कर दिया. नायरा ने भी उसकी चुप्पी देखकर बात करने की कोशिश नहीं

की. उसे लगा कि रेयान अब उससे ऊब गया है.

दोनों के बीच बिना कुछ कहे एक गलतफहमी बढ़ने लगी.

एक दिन उनके कॉमन फ्रेंड की मदद से रेयान को पता चला कि जिस दिन नायरा ने मिलने से मना किया था, उसी दिन उसकी मां की तबीयत अचानक खराब हो गई थी. नायरा उन्हें अस्पताल लेकर गई थी और घर की जिम्मेदारियों के बीच उसे किसी से बात करने का मौका ही नहीं मिला.

रेयान को अपनी गलती का एहसास हुआ. उसने तुरंत नायरा को फोन किया.

'तुमने मुझे बताया क्यों नहीं ?' रेयान ने पूछा.

नायरा कुछ पल चुप रही, फिर बोली, 'हर बार अपनी परेशानी बताना आसान नहीं होता. कभी-कभी लगता है कि सामने वाला बिना बताए भी समझ जाएगा.'

रेयान के पास इसका कोई आसान जवाब नहीं था. उसने धीरे से कहा, 'मैं समझना चाहता हूँ, लेकिन तुम्हें मुझे बताने का मौका भी देना होगा. मैं तुम्हारे मन की हर बात खुद से नहीं जान सकता.'

नायरा को उसकी बात सही लगी. उसने भी माना कि चुप रहकर किसी से अपनी बात समझने की उम्मीद करना ठीक नहीं था।

2 दिन की राजस्थान ट्रिप के लिए कहाँ जाएं? जीवनभर के लिए याद हो जाएंगी यहां की ऐतिहासिक इमारते



सिर्फ 2 दिन में राजस्थान घूमना चाहते हैं, तो जोधपुर की इन 6 ऐतिहासिक जगहों को अपनी ट्रिप में शामिल करें. यहां के किले, महल और मंदिरों की कहानियां आपको राजशाही दौर की याद दिला देंगी.

राजस्थान घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन आपके पास सिर्फ 2 दिन का समय है, तो जोधपुर आपके लिए बेहतरीन जगह हो सकती है. यहां के ऊंचे किले, खूबसूरत महल, प्राचीन मंदिर और ऐतिहासिक स्मारक राजस्थान के शाही अतीत की झलक दिखाते हैं. नीले रंग के घरों के कारण ब्लू सिटी कहलाने वाले जोधपुर में ऐसी कई जगहें हैं, जहां घूमना सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि इतिहास को करीब से जानने का अनुभव बन जाता है. अगर आप

कम समय में राजस्थान की संस्कृति, वास्तुकला और प्राकृतिक खूबसूरती का आनंद लेना चाहते हैं, तो इन 6 जगहों को अपनी यात्रा में शामिल कर सकते हैं.

मेहरानगढ़ किला

जोधपुर की पहचान माने जाने वाले मेहरानगढ़ किले को देखे बिना आपकी राजस्थान यात्रा अधूरी रह सकती है. इस विशाल किले की नींव साल 1459 में राव जोधा ने रखी थी. ऊंची पहाड़ी पर बना यह किला अपनी मजबूत दीवारों, विशाल दरवाजों और शानदार महलों के लिए प्रसिद्ध है. किले के अंदर फूल महल, मोती महल और शीश महल जैसे हिस्से हैं, जो राजघराने की भव्य जीवनशैली की कहानी बताते हैं. यहां मौजूद

संग्रहालय में पुराने हथियार, शाही वस्त्र, पालकियां और ऐतिहासिक वस्तुएं भी देखने को मिलती हैं. किले की ऊंचाई से जोधपुर के नीले घरों का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है. इतिहास और फोटोग्राफी में दिलचस्पी रखने वालों के लिए यह जगह खास है.

मेहरानगढ़ किले के पास स्थित चोखेलाओ बाग अपनी हरियाली और पारंपरिक बागवानी शैली के लिए जाना जाता है. यहां की खूबसूरत बनावट, पत्थरों से बनी संरचनाएं और आसपास की ऐतिहासिक दीवारें पुराने मारवाड़ की झलक दिखाती हैं. किले की भव्यता देखने के बाद इस बाग में कुछ समय बिताना आपको सुकून का एहसास करा सकता है. यहां घूमते हुए आप प्रकृति और इतिहास के खूबसूरत मेल को महसूस कर सकते हैं. अगर आपको शांत जगहों पर घूमना और तस्वीरें लेना पसंद है, तो चोखेलाओ बाग को अपनी यात्रा में जरूर शामिल करें.

महामंदिर मंदिर

जोधपुर का महामंदिर भगवान शिव को समर्पित एक ऐतिहासिक मंदिर है. इसकी सबसे खास बात यहां बने 84 नक्काशीदार खंभे हैं. इन खंभों पर की गई बारीक कलाकारी भारतीय वास्तुकला और शिल्पकला की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है।

घर में लगा ये पौधा पथरी समेत कई समस्याओं में आता है काम, जानिए इसके फायदे



उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का तराई इलाका अपनी हरियाली और प्राकृतिक संपदा के लिए जाना जाता है. यहां कई औषधीय पौधे भी पाए जाते हैं, जिनमें पत्थरचट्टा प्रमुख है. इसे पाषाणभेद और पणफुट्टी के नाम से भी जाना जाता है. इसका वैज्ञानिक नाम Kalanchoe pinnata है. यह पौधा घर के आंगन, गमले या बगीचे में आसानी से उगाया जा सकता है. लखीमपुर खीरी की आयुष चिकित्सक डॉ. ऋचा श्रीवास्तव ने लोकल 18 को इसके पारंपरिक औषधीय इस्तेमाल के बारे में जानकारी दी. हालांकि, किसी बीमारी के इलाज के लिए इसका सेवन करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है.

लखीमपुर खीरी. उत्तर प्रदेश का लखीमपुर खीरी जिला अपनी हरियाली और प्राकृतिक संपदा के साथ कई औषधीय पौधों के लिए भी जाना जाता है. इन्हीं पौधों में पत्थरचट्टा भी शामिल है. इसे पाषाणभेद, पर्णबीजी और पणफुट्टी के नाम से भी जाना जाता है. इसका वैज्ञानिक नाम Kalanchoe pinna-ta है, जबकि इसे Bryophyllum pinnatum के नाम से भी पहचाना जाता है. इस पौधे को घर के आंगन, गमले या बगीचे में आसानी से उगाया जा सकता है. अनुकूल परिस्थितियों में यह तेजी से बढ़ता है और इसकी पत्तियों से नए पौधे भी तैयार हो जाते हैं.

लखीमपुर खीरी की आयुष चिकित्सक डॉ. ऋचा श्रीवास्तव ने लोकल 18 को बताया कि पत्थरचट्टा की पत्तियों और उनके रस का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से औषधीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है. हालांकि, किसी भी औषधीय पौधे का सेवन करने से पहले व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सकीय सलाह को ध्यान में रखना जरूरी है।

काला चना कबाब का स्वाद जीत लेगा सबका दिल, जानें इसे बनाने का आसान तरीका



काला चना प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होता है. आप बोरिंग चने की जगह आसानी से स्वादिष्ट और हेल्दी काला चना कबाब बना सकते हैं. इसे चाय के साथ या स्टार्टर के रूप में परोसा जा सकता है.

काला चना प्रोटीन, फाइबर और कई आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है. अगर आप रोजाना एक ही तरह से चना खाकर बोर हो चुके हैं, तो काला चना कबाब एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हेल्दी स्नैक भी है. चाय के साथ, बच्चों के टिफिन में या मेहमानों के लिए

स्टार्टर के रूप में इसे परोसा जा सकता है. आइए जानते हैं काला चना कबाब बनाने की आसान रेसिपी.

आवश्यक सामग्री
काला चना - 1 कप (रातभर भिगोया हुआ)

उबला आलू - 2 मध्यम आकार के

प्याज - 1 बारीक कटा हुआ
हरी मिर्च - 2 बारीक कटी हुई
अदरक - 1 छोटा चम्मच कद्दूकस किया हुआ

हरा धनिया - 2 बड़े चम्मच लाल मिर्च पाउडर - डू छोटा

चम्मच

गरम मसाला - डू छोटा चम्मच
भुना जीरा पाउडर - 1 छोटा चम्मच

नमक - स्वादानुसार
ब्रेड क्रम्ब्स - 2 बड़े चम्मच तेल - शैली फ्राई करने के लिए

बनाने की विधि
सबसे पहले भोगे हुए काले चनों को कुकर में 4-5 सीटी आने तक उबाल लें. चने नरम हो जाएं लेकिन बहुत ज्यादा गले नहीं. उबले हुए चनों का अतिरिक्त पानी निकाल दें और उन्हें ठंडा होने दें.

अब चनों को मिक्सर में हल्का दरदरा पीस लें. ध्यान रखें कि चनों का पेस्ट बिल्कुल चिकना न हो, क्योंकि थोड़ा दानेदार मिश्रण कबाब को बेहतर टेक्सचर देता है.

एक बड़े बाउल में पिंसा हुआ काला चना, उबले और मैश किए हुए आलू, प्याज, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, लाल मिर्च पाउडर, भुना जीरा पाउडर, गरम मसाला और नमक डालें. सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें.

यदि मिश्रण बहुत नरम लगे तो उसमें ब्रेड क्रम्ब्स मिलाएं. इससे कबाब आसानी से आकार ले सकेंगे. अब मिश्रण से छोटे-छोटे हिस्से लेकर गोल या टिक्की जैसा आकार दें.

एक नॉन-स्टिक तवा या पैन गर्म करें और उस पर थोड़ा तेल डालें. तैयार कबाबों को तवे पर रखें और मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेंकें. चाहें तो इन्हें एयर फ्रायर में भी बना सकते हैं.

परोसने का तरीका
गरमा-गरम काला चना कबाब को हरी चटनी, इमली की चटनी या टमाटर सॉस के साथ परोसें. ऊपर से थोड़ा चाट मसाला और नींबू का रस डालने पर इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

बेडरूम को दें विंटर मेकओवर, कंबल और फिटेड बेडशीट पर मिल रहा शानदार डिस्काउंट



सर्दियों के लिए गर्म कंबल और बेडशीट खरीदना है तो द्रड़ुऽश्रुत पर चल रही ग्रेड इंडियन फेस्टिवल में आपको जबरदस्त डिस्काउंट मिल सकता है. यहां आप कुछ प्रीमियम क्वालिटी के बेडिंग आइटम्स और इस पर मिल रहे शानदार छूट के बारे में जान सकते हैं. इनमें सिंगल बेड कंबल से लेकर डबल और किंग साइज कम्प्यूटर और गर्म फिटेड बेडशीट तक के विकल्प शामिल हैं.

सर्दियों का मौसम आ गया है, रात में हल्की ठंड महसूस होने लगी है. ऐसे में बेडरूम को कंपर्टबल बनाने के लिए जरूरी सामानों की खरीदारी जरूरी हो जाती है. ठंडी रातों में अच्छी नींद के लिए सिर्फ गर्म कंबल ही नहीं, बल्कि सॉफ्ट बेडशीट और आरामदायक कम्प्यूटर भी जरूरी होते हैं और ठंड से बचने के लिए अच्छी बेडिंग खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो द्रड़ुऽश्रुत सेल पर आपको बेहतरीन डीलस मिल सकती है.

Great Indian Festival सेल में आपको ऐसे कंबल, कम्प्यूटर और विंटर बेडशीट सस्ते में मिल जाएंगे, जिन्हें एयर कंडीशनर वाले कमरे, हल्की सर्दियों और ज्यादा ठंड के हिसाब से इस्तेमाल किया जा सकता है. खास बात यह है कि इन प्रोडक्ट्स में सॉफ्ट माइक्रोफाइबर, पलैनल फ्लीस और शेरपा फ्लीस जैसे फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है, जो आरामदायक एहसास देने के लिए जाने जाते हैं. यहां हम आपके लिए 5 ऐसे बेडिंग प्रोडक्ट्स लेकर आए हैं, जिनकी कीमत ?599 से शुरू होती है. कीमत और डिस्काउंट के आधार पर आप अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से इनमें से कोई विकल्प चुन सकते हैं।

वजन घटने पर पिघली हुई चर्बी आखिर जाती कहाँ है? जानें शरीर में क्या होता है

क्या कभी आपने सोचा है शरीर में जमा फैट एक्सरसाइज और डाइटिंग के बाद कहा जाता है? अचानक से जब चर्बी शरीर से उतरती है तो कहाँ चली जाती है? ज्यादातर लोगों को इसके बारे में नहीं पता है, यदि आप भी इनमें से एक हैं तो ये लेख आपके लिए है. यहां जानिए वेट लॉस के दौरान शरीर फैट को कैसे बाहर निकालता है.

वजन कम करने के लिए लोग अक्सर डाइटिंग, एक्सरसाइज और वॉकिंग करते हैं. जब वजन घटने लगता है, तो शरीर में जमा चर्बी भी कम होने लगती है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शरीर से ये चर्बी आखिर जाती कहाँ है? क्या यह पसीने के जरिए बाहर निकलती है या शरीर इसे किसी दूसरे तरीके से बाहर निकालता है? इसका जवाब थोड़ा हैरान करने वाला है.

यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम के दो शोधकर्ताओं ने द कन्वर्सेशन में प्रकाशित एक लेख में बताया कि



वजन घटने पर शरीर की ज्यादातर चर्बी सांस छोड़ने के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में बाहर निकलती है. इसका मतलब है कि फैट कम होने की प्रक्रिया में फेफड़ों की

भी अहम भूमिका होती है. हालांकि, केवल तेजी से सांस लेने से वजन कम नहीं होता. इसके लिए शरीर को भोजन से मिलने वाली ऊर्जा से ज्यादा ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है. आइए

जानते हैं कि शरीर में जमा चर्बी कैसे टूटती है और वजन घटने पर कहाँ जाती है.

शरीर में चर्बी जमा कैसे होती है? जब हम खाना खाते हैं, तो पाचन तंत्र

भोजन में मौजूद फैट को फैटी एसिड में तोड़ता है. शरीर इनका इस्तेमाल कोशिकाएं बनाने, हार्मोन के कामकाज और अंगों की सुरक्षा जैसे जरूरी कार्यों के लिए करता है. जरूरत से ज्यादा ऊर्जा मिलने पर शरीर उसे ट्राइग्लिसराइड्स के रूप में फैट सेल्स में जमा कर सकता है. शरीर में चर्बी मुख्य रूप से दो जगह जमा होती है. पहली, त्वचा के ठीक नीचे मौजूद सबक्यूटेनियस फैट और दूसरी, अंदरूनी अंगों के आसपास जिसे विसरल फैट कहा जाता है.

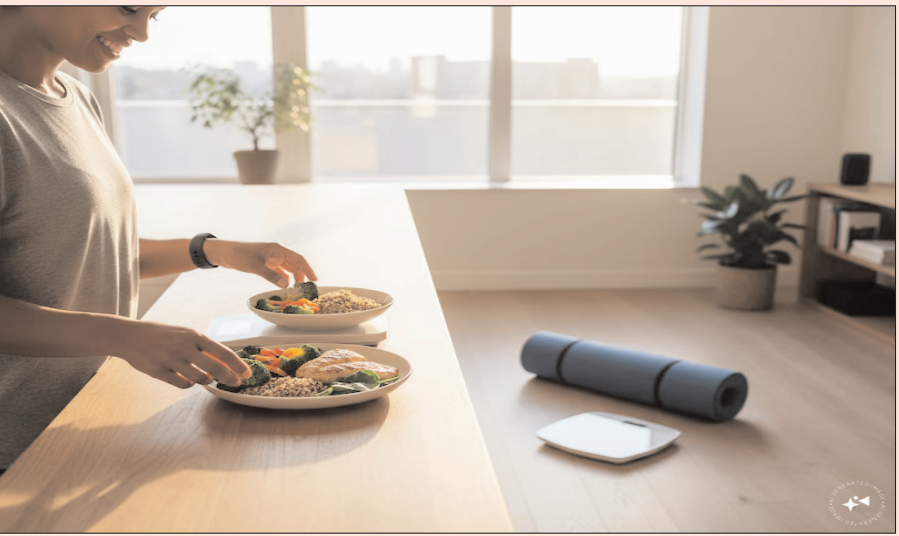
वजन घटने पर चर्बी कैसे कम होती है? जब शरीर को भोजन से मिलने वाली ऊर्जा की तुलना में ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है, तो वह जमा चर्बी का इस्तेमाल करने लगता है. इस दौरान हार्मोन और तंत्रिका तंत्र से मिलने वाले संकेत फैट सेल्स में जमा ट्राइग्लिसराइड्स को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू करते हैं. इसे लिपोलाइसिस कहते हैं. इसके बाद फैटी एसिड कोशिकाओं के माइटोकॉन्ड्रिया तक

पहुँचते हैं, जहां बीटा-ऑक्सीडेशन की प्रक्रिया के जरिए उनका इस्तेमाल ऊर्जा बनाने में होता है. इस प्रक्रिया के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड और पानी भी बनते हैं.

चर्बी शरीर से किस रास्ते बाहर निकलती है? शोधकर्ताओं के अनुसार, वजन कम होने पर घटने

वाली चर्बी का लगभग 84 प्रतिशत हिस्सा कार्बन डाइऑक्साइड में बदलकर सांस छोड़ने के दौरान बाहर निकलता है. बाकी लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा पानी बनता है, जो पसीने, पेशाब और शरीर के दूसरे तरल पदार्थों के जरिए बाहर निकल सकता है. ये आंकड़े अनुमान पर

आधारित हैं. इसका मतलब है कि चर्बी केवल पसीने के जरिए बाहर नहीं निकलती. सांस छोड़ना फैट के टूटने से बने पदार्थों को बाहर निकालने का एक प्रमुख रास्ता है. क्या तेजी से सांस लेने से वजन घटता है? नहीं, तेजी से सांस लेने से अपने आप चर्बी कम नहीं होती।



अक्षय म्हात्रे ने शेयर की नवरात्रि की खास याद, बताया- वो पल आज भी दिल के करीब

वड़ोदरा की गरबा नाइट्स में पत्नी श्रेनु पारिख के साथ बिताए पलों को आज भी करते हैं याद

मुंबई। टेलीविजन अभिनेता अक्षय म्हात्रे ने नवरात्रि के अवसर पर पत्नी और अभिनेत्री श्रेनु पारिख के साथ वड़ोदरा की प्रसिद्ध गरबा नाइट्स से जुड़े अपने पुराने अनुभवों को याद किया। त्योहारों पर अपने विचार साझा करते हुए अक्षय ने बताया कि कैसे नवरात्रि के नौ दिन आस्था और भक्ति के साथ लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं।

गरबा का अनुभव बना यादगार

त्योहार के प्रति अपना लगाव शेयर करते हुए अक्षय म्हात्रे कहते हैं, “नवरात्रि मेरे लिए हमेशा से खास रही है क्योंकि इन नौ दिनों में जो सकारात्मक ऊर्जा रहती है। मेरी सबसे प्यारी यादों में से एक है श्रेनु के साथ वड़ोदरा की मशहूर गरबा नाइट का अनुभव करना।”

अभिनेता ने बताया कि इस उत्सव पर गरबा का आनंद लेने से नवरात्रि का त्योहार और भी खास बन जाता है। उन्होंने कहा, “उसे पूरे दिल से त्योहार का आनंद लेते देखना, इस मौके को सच में यादगार बना गया। मेरे लिए नवरात्रि आस्था, एकजुटता और देवी दुर्गा की भावना का जश्न मनाने के बारे में है।”



“

“नवरात्रि के अवसर पर लोग जिस तरह से एकजुट होते हैं, भक्ति में डूबे रहते हैं और इतनी खुशी के साथ जश्न मनाते हैं, वह दृश्य देखने लायक है।”

– अक्षय म्हात्रे

गरबा है भक्ति और शक्ति का प्रतीक

अक्षय म्हात्रे ने आगे कहा कि यह त्योहार भक्ति और सकारात्मकता से भरा होता है। उन्होंने लिखा, “नवरात्रि के अवसर पर लोग जिस तरह से एकजुट होते हैं, भक्ति में डूबे रहते हैं और इतनी खुशी के साथ जश्न मनाते हैं, वह दृश्य देखने लायक है। यही वो पल है, जो त्योहारों को खास बनाते हैं और आपको ऐसी यादें दे जाते हैं, जिन्हें आप हमेशा संजोकर रखते हैं।”

‘अक्का’ का टीजर रिलीज, गैंगस्टर वर्ल्ड में दिखेगी दो महिलाओं की जंग



विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री राधिका आप्टे और कीर्ति सुरेश स्टारर पीरियड क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज ‘अक्का’ के मेकर्स ने शनिवार को अभिनेत्री कीर्ति सुरेश के जन्मदिन के अवसर पर टीजर रिलीज कर दिया है। सीरीज में अभिनेत्री राधिका आप्टे ‘रुद्रा’ और कीर्ति सुरेश ‘भवानी’ के किरदार में नजर आएंगी।

टीजर में कीर्ति सुरेश भवानी और राधिका आप्टे रुद्रा के किरदार में नजर आ रही हैं। दोनों प्रभावशाली और सशक्त महिलाओं की भूमिका निभा रही हैं।

टीजर में कीर्ति सुरेश भवानी और राधिका आप्टे रुद्रा के किरदार में नजर आ रही हैं। दोनों प्रभावशाली और सशक्त महिलाओं की भूमिका निभा रही हैं।

और गैंगस्टर के रूप में वर्चस्व होता है। ‘पनूरू’ को ऐसी बस्ती के रूप में दिखाया गया है, जहां गहरी जड़ें जमाएँ परंपराएं, बदलते सत्ता समीकरण और भीतर ही भीतर पनप रही दुश्मनियां लगातार संघर्ष का माहौल बनाती हैं। इसका निर्देशन धर्मराज शेठ्टी ने किया है, जो इस प्रोजेक्ट के साथ निर्देशन में डेब्यू करने जा रहे हैं। इसमें राधिका आप्टे के साथ कीर्ति सुरेश और तन्वी आजमी मुख्य भूमिकाओं में हैं। कीर्ति सुरेश इस सीरीज के जरिए अपना ओटीटी डेब्यू कर रही हैं।

सीरीज एक गैंगस्टर कहानी है जिसमें महिलाएं मुख्य भूमिका में हैं। इस शो के साथ धर्मराज शेठ्टी ने पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां डायरेक्शन में अपना डेब्यू किया है, जिन्होंने इस सीरीज को लिखा भी

है। 1980 के दशक पर आधारित, अक्का एक ऐसी काल्पनिक दुनिया में घटती है जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने बनाया, चलाया और बचाकर रखा है।

अभिनेत्री राधिका आप्टे ने बताया कि उन्हें अपने किरदार ‘रुद्रा’ की जटिलता और उनके अलग-अलग नजरिए से पैदा होने वाले तनाव ने काफी आकर्षित किया, जिस वजह से उन्होंने इस किरदार के लिए हां किया है।

उन्होंने कहा, “यह बहुत अच्छी बात है कि अक्का की रिलीज डेट और टीजर का आना कीर्ति के जन्मदिन पर हुआ है। मुझे यकीन है कि यह हमारे लिए लकी साबित होगा। रुद्रा एक दिलचस्प किरदार है, जो अपने उसूलों और आसपास की दुनिया को चुनौती देने की सोच से चलती है।”

माथे पर टीका लगाने से फराह खान ने किया इनकार, वीडियो वायरल होते ही हुई ट्रोल

विश्व केसरी ■

मुंबई। फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान इन दिनों सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने एक इवेंट में माथे पर टीका लगवाने से मना कर दिया था, जिसके बाद उनका ये रिएक्शन देखकर लोग उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं।

फराह खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह होटल स्टाफ लॉबी में आरती की थाली से फिल्ममेकर का स्वागत कर रहा है लेकिन जब एक स्टाफ मेंबर उनके माथे पर टीका लगाने आती है, तो फराह मना कर देती हैं और कलाई पर टीका लगावा लेती हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और ट्रोलर्स ने फिल्ममेकर की

आलोचना शुरू कर दी। एक यूजर ने लिखा – ‘फराह खान को बुरा लग जाता है जब एक महिला स्वागत के तौर पर उन्हें टीका लगाती है। सोचिए, नेल पॉलिश लगाना जो इस्लाम में हARAM है, वो पहन रही हैं लेकिन टीका लगाने से नाराज हो रही हैं क्योंकि नेल पॉलिश स्टायल है और टीका हिंदू परंपरा है। बॉलीवुड के तथाकथित सेलेब्स का यही क्लासिक रूप है।’

एक और ट्रोलर ने लिखा, ‘फराह खान ने पहले फूलों की बारिश से मना किया, फिर माथे पर कुमकुम लगाने से साफ मना कर दिया। जब उन्हें पता है कि वहां ऐसे प्रोसीजर होंगे, तो वे ऐसी जगहों पर जाते ही क्यों हैं? कुछ लोगों को बस कॉन्ट्रोवर्सी खड़ी करने की खुजली होती है। क्या फराह खान को इस तरह से बेइज्जती करना शोभा देता है? जिन्होंने उन्हें बुलाया, वे भी उतने ही बेवकूफ हैं।’

देवीना बनर्जी ने मातृत्व पर कही दिल की बात, बोलीं-मातृत्व ने मुझे और मजबूत बनाया

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री देवीना बनर्जी आगामी फिल्म ‘तुम मेरे हो’ की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री ने अपने मातृत्व और करियर को लेकर बात करते हुए कहा कि एक महिला जब ठान लेती है तो वह कुछ भी कर सकती है, उसकी कोई सीमा नहीं होती।

उनका मानना है कि मातृत्व अपनी जगह है और काम अपनी जगह, दोनों को साथ लेकर चलना ही एक महिला की असली ताकत है। उन्होंने आईएनएस से बातचीत में कहा, ‘मातृत्व अपनी जगह है और हमारा काम अपनी जगह। जब एक महिला सोचती है कि वो बहुत कुछ कर सकती है, तो मां बनने के बाद उसे एहसास होता है कि वो सच में असीमित है। जब आप एक बच्चे को जन्म देती हैं, तब आपको समझ आता है कि आप एक नई जिंदगी बना सकती हैं। इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है?’

आईएनएस ने अभिनेत्री से सवाल करते हुए पूछा, ‘एक महिला प्रोड्यूसर



के तौर पर, क्या आपको लगता है कि ईंडस्ट्री में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?’

आईएनएस ने अभिनेत्री से सवाल करते हुए पूछा, ‘एक महिला प्रोड्यूसर

महिलाओं को लोग कम गंभीरता से लेते हैं। लोगों को लगता है कि फैसले वही लेंगे लेकिन मुझे लगता है कि अब बदलाव हो रहा है। ये इस पर निर्भर करता है कि आप हालातों कैसे संभालते

हैं। मैं यहां अकेली नहीं हूँ, मेरे पति गुरमीत हमेशा मेरे साथ रहते हैं, इसलिए मुझे लगता है कि चुनौती कम है। हमारी दूसरी प्रोड्यूसर, रीवा क्रिएटिव्स, को भी एक महिला ही लीड करती हैं। मुझे लगता है कि हम बहुत मजबूत हैं। हम अपनी बात बहुत स्पष्ट रूप से रखते हैं। हमें जो चाहिए, वही चाहिए, और उसमें कोई समझौता नहीं होना चाहिए।’

अभिनेत्री से आगे आईएनएस ने एक और सवाल करते पूछा, ‘जब एक बड़ी फिल्म के साथ एक छोटी फिल्म मिलने में परेशानी होती है?’

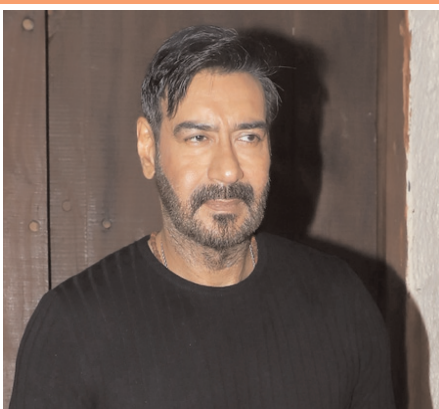
देवीना बनर्जी ने कहा, ‘जब तक आप अपनी जमीन मजबूत नहीं करते और अपनी काबिलियत साबित नहीं करते, तब तक आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। आपको लोगों को बताना पड़ता है कि, ‘आपने मेरी एक-दो फिल्में देखी हैं। मुझे वो मौका दीजिए।’ वरना बड़ी फिल्में बहुत सारे थिएटर ब्लॉक कर लेती हैं।’

अजय देवगन के जुहू बंगले में अवैध निर्माण, बीएमसी ने गिराया हिस्सा

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन के मुंबई के जुहू स्थित बंगले के कुछ हिस्सों को बीएमसी द्वारा गिरा दिया गया है। इससे कुछ दिन पहले अभिनेता को ‘अनधिकृत’ निर्माण को लेकर काम रोकने का नोटिस दिया गया था। मुंबई के जुहू इलाके में अजय देवगन का बंगला 7,802 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है, जो कोपोल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (जेवीपीडी स्कीम, एन. एस. रोड नंबर 11, प्लॉट एस-10) में स्थित है। बीएमसी के अनुसार, इस बंगले के अंदर बिना अनुमति के कई बदलाव (जैसे अंदरूनी फेरबदल, पार्टिशन वॉल और खिड़कियों में बदलाव) किए जा रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीएमसी ने 10 सितंबर 2026 को मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट की धारा 354ए के तहत नोटिस जारी किया था। नोटिस में तुरंत निर्माण कार्य रोकने और जरूरी परमिशन के साथ संबंधित दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया गया था।



नगर निगम के मुताबिक, नोटिस जारी होने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं रुका। इसके बाद बीएमसी ने बंगले में कथित तौर पर किए गए कुछ अनधिकृत निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की।

हालांकि, अजय देवगन अपने परिवार के साथ जुहू में ही ‘शिवशक्ति’ नामक दूसरे बंगले में रहते हैं। अभिनेता की बात करें, तो उनकी क्राइम थ्रिलर फिल्म ‘दृश्यम-3’ सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म ने पहले दिन ऐतिहासिक कमाई की।

अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित फिल्म में अजय देवगन (विजय सलगांवकर), तब्बू (मीरा देशमुख), श्रिया सनन (नंदिनी), जयदीप अहलावत (राजवीर सिंह तोमर), रजत कपूर जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। यह फिल्म दृश्यम फ्रेंचाइजी की तीसरी और अंतिम कड़ी है, जो विजय सलगांवकर के परिवार और पुलिस के बीच माइंड गेम के आखिरी अध्याय को समेटती है। इस बार मीरा देशमुख (तब्बू) और उनके पति (रजत कपूर) की मदद के लिए क्राइम ब्रांच के एसपी राजवीर सिंह तोमर (जयदीप अहलावत) पहुंचते हैं, जिनके पास एक नया और मजबूत सबूत है।

स्मिता पाटिल की 71वीं जयंती पर इमोशनल हुए बेटे प्रतीक, कहा- हर पल महसूस होता है आपका प्यार

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री स्मिता पाटिल की जयंती पर अभिनेता राज बब्बर, प्रतीक स्मिता पाटिल और अभिनेता अवतार गिल ने याद किया।

अभिनेता प्रतीक स्मिता पाटिल ने अपनी दिवंगत मां और अभिनेत्री को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। प्रतीक ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह पत्नी और अभिनेत्री प्रिया बनर्जी के साथ नजर आ रहे हैं।

प्रतीक ने अपनी मां को याद करते हुए लिखा, ‘मेरी गार्जियन एंजेल को हैप्पी हेवनली बर्थडे। ये दुनिया हमारे प्यार को देखने के लिए बहुत कमजोर थी, लेकिन हमारे प्लान हमेशा कुछ और ही थे। मैं अपने जीवन के हर पल में तुम्हारा आशीर्वाद और सुरक्षा महसूस करता हूँ, खासकर उन लम्हों में जो मुझे परिभाषित करते हैं और बताते हैं कि मैं असल में कौन हूँ और हमने एक-दूसरे के लिए ये सफर क्यों चुना।’

उन्होंने आगे लिखा, ‘अब पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो समझ आता है कि आप हमेशा मुझे देख रही थी, मुझे आशीर्वाद दे रही थी और इस दुनिया से बचा रही थी। ऊर्जा को न तो बनाया जा सकता है और न ही खत्म किया जा सकता है, लेकिन हमने बड़ी खूबसूरती से एक ऊर्जा बनाई है, जो हमारी आत्माओं से जुड़ी है और असीम है, इसे कभी खत्म नहीं किया जा सकता। हमारी चमक कभी फीकी नहीं पड़ेगी, हमारी आग कभी कम नहीं होगी, हमारी रोशनी हमेशा जलती रहेगी।’

वरिष्ठ अभिनेता और नेता राज बब्बर ने अपनी दिवंगत पत्नी स्मिता पाटिल को उनकी 71वीं जयंती पर याद किया। उन्होंने उनकी प्रतिभा, गर्मजोशी और उनकी अमिट विरासत को श्रद्धांजलि दी।

राज बब्बर ने इंस्टाग्राम पर दिवंगत अभिनेत्री की एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, ‘स्मिता में एक दुर्लभ संवेदनशीलता थी। भले ही उनका सफर बहुत छोटा रहा, लेकिन उनकी कला ने



एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने सिर्फ किरदार नहीं निभाए, बल्कि उनकी आत्मा में जान डाल दी। मुझे उनकी गर्मजोशी, असाधारण प्रतिभा और हर उस चीज की कमी खलती है, जो उन्हें इतना खास बनाती थी। उन्होंने आखिरी में लिखा, ‘स्मिता पाटिल की विरासत आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है, दिलों को छूती है। कलाकार तब दुनिया छोड़ते हैं जब उन्हें भुलाया जाता है, लेकिन स्मिता हर उस दिल में अपना एक हिस्सा छोड़ गईं, जिसे उन्होंने छुआ। अभिनेता अवतार गिल ने भी दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल को उनकी जयंती पर याद किया। अवतार ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा, ‘दिवंगत महान स्मिता पाटिल को

उनकी जयंती पर याद पर याद कर रहा हूँ। स्मिता एक बेहतरीन अदाकारा होने के साथ-साथ एक सच्ची खूबसूरत इंसान थी। मुझे सबसे ज्यादा उनकी दयालुता, उनकी गर्मजोशी की याद आती है। उनमें एक दुर्लभ गरिमा थी, जो उनकी अपार प्रतिभा से कहीं बढ़कर थी और एक ईंसानियत थी जो उन्हें वास्तव में खास बनाती थी।

उन्होंने आगे लिखा, ‘उन्हें आने वाली पीढ़ियों द्वारा सम्मान के साथ याद किया जाता है और हम जैसे लोगों द्वारा गहरे स्नेह के साथ, जो उन्हें दोस्त कहने के लिए भाग्यशाली थे। जन्मदिन मुबारक हो, स्मिता। तुम एक ऐसी शक्तिशाली थी, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है।’

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की दौड़ में छठा ‘स्ट्रॉ पोल’ आयोजित, सात उम्मीदवार मैदान में

विश्व केसरी■
संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने अगले संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चयन के लिए उम्मीदवारों पर अपना छठा ‘स्ट्रॉ पोल’ आयोजित किया है। अक्टूबर महीने में सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता कर रहे ग्रीस के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि एग्लिया बाल्टा ने बताया कि छठे दौर का मतदान पूरा हो चुका है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मतदान के नतीजों की जानकारी उम्मीदवारों को उन सदस्य देशों के स्थायी प्रतिनिधियों के माध्यम से दी जाएगी, जिन्होंने उनके नाम का प्रस्ताव रखा है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष को भी सूचित किया जाएगा कि यह मतदान करया जा चुका है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवारों के लिए होने वाला ‘स्ट्रॉ पोल’ एक अनौपचारिक और बंद कमरे में किया जाने वाला मतदान होता है। इसका उद्देश्य यह



पता लगाना होता है कि कौन-सा उम्मीदवार सबसे ज्यादा समर्थन प्राप्त कर सकता है। इन मतदानों के नतीजे आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं किए जाते। इसी प्रक्रिया के जरिए सुरक्षा परिषद उस उम्मीदवार का चयन करती है, जिसकी सिफारिश बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सामने अगले महासचिव के रूप में नियुक्ति के लिए की जाती है।

माना जाता है कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों को हर उम्मीदवार के लिए एक मतपत्र दिया जाता है, जिसमें उम्मीदवार का नाम और उसके आगे तीन विकल्प होते हैं: समर्थन, विरोध और कोई राय नहीं। सुरक्षा परिषद की सिफारिश हासिल करने के लिए किसी उम्मीदवार को कम से कम 9 ‘समर्थन’ वोट मिलने चाहिए।

इसके साथ ही सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस) में से किसी एक का भी ‘विरोध’ वोट नहीं होना चाहिए। स्थायी सदस्यों का विरोध उम्मीदवार की राह रोक सकता है। इस दौड़ में अभी सात उम्मीदवार बचे हैं: इक्वाडोर की पूर्व मंत्री और राजनयिक इवोन ए-बाकी, संयुक्त राष्ट्र महासभा की पूर्व अध्यक्ष और इक्वाडोर की पूर्व विदेशी और रक्षा मंत्री मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा, अर्जेंटीना के राफेल ग्रीसी, जो वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक हैं, कोस्टा रिका की पूर्व उपराष्ट्रपति और वर्तमान में ‘व्यापार और विकास’ पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन’ (यूपनसीटीएडी) की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन, युगांडा के ओलारा ओतुनु, जो संयुक्त राष्ट्र के पूर्व अवर-महासचिव रह चुके हैं, संयुक्त राष्ट्र में गुयाना की स्थायी प्रतिनिधि कैरोलिन रोंड्रिक्स-बिकेंट और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल।

रूसी विदेश मंत्री तेहरान दौरे में क्षेत्रीय तनाव को लेकर ईरानी समकक्ष अराघची से करेंगे चर्चा

विश्व केसरी■
तेहरान। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सोमवार को तेहरान दौरे पर अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात करने वाले हैं। इस दौरान ईरान की मौजूदा स्थिति, क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए रूस की ओर से उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा होगी।



इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बताया कि? रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सोमवार को तेहरान की आधिकारिक यात्रा के दौरान अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात करेंगे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जखारोवा ने बताया कि विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव 19 अक्टूबर को ईरान के दौरे पर रहेंगे और इस दौरान अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से

चर्चा होगी। बातचीत का एक प्रमुख विषय ईरान से जुड़ी मौजूदा स्थिति और क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए रूस की ओर से उठाए जा रहे कदम होंगे। जखारोवा के मुताबिक, पश्चिम एशिया क्षेत्र में रूस के मित्र देशों के सामने जो तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं, वे अमेरिका और इजरायल की नीतियों तथा कदमों का परिणाम हैं। आईआरएनए के अनुसार, उन्होंने कहा कि लावरोव और अराघची के बीच होने वाली इस बैठक में हाल के महीनों में ईरान और रूस के

वरिष्ठ नेताओं के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ताओं में हुए समझौतों को लागू करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही दोनों देश तेहरान और मॉस्को के बीच हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते के तहत अपने सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए व्यावहारिक कदमों पर भी चर्चा करेंगे। यह बैठक रूस और ईरान के बीच राजनीतिक, कूटनीतिक और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संक्षिप्त खबर

नेक्सको में 2024 के ट्रिपल मर्डर केस पर फैसला: तीन दोषियों को 158 साल कैद

विश्व केसरी■
सिडनी/मेक्सिको। सिडनी। मेक्सिको की एक कोर्ट ने दो ऑस्ट्रेलियाई भाइयों जेक-कैलम रॉबिन्सन और उनके अमेरिकी दोस्त कार्टर रोड की हत्या मामले में तीन दोषियों (हरेक) को 158 साल की जेल की सजा सुनाई है। मामला साल 2024 का है। जेक-कैलम रॉबिन्सन और उनके दोस्त रोड बाजा कैलिफोर्निया राज्य की सफ़ ट्रिप पर गए थे लेकिन बाद में इनके शव बरामद किए गए थे। एसेनाडा की एक अदालत ने शुक्रवार (मेक्सिको के समय के अनुसार) यह सजा सुनाई। इससे एक हफ्ते पहले ही इन तीनों पुरुषों—जीसस गेराडों (जिन्हें ‘एल केकास’ के नाम से भी जाना जाता है), इरिनीओ फ्रांसिस्को और एंजेल जीसस—को दोषी करार दिया गया था। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया हाउस द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, एक हफ्ते पहले आरोपियों का दोष सिद्ध हुआ था। उन्हें हत्या, लूटपाट और हिंसा के जरिए वाहन चोरी करने का दोषी ठहराया गया था। ये अपराध ऑस्ट्रेलियाई रॉबिन्सन बंधुओं और उनके अमेरिकी दोस्त कार्टर रोड के खिलाफ किए गए थे। मेक्सिको की यात्रा के दौरान, लूटपाट की एक घटना में रोड और रॉबिन्सन भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 27 अप्रैल 2024 को, जब वे एसेनाडा शहर के पास समुद्र किनारे एक सुसुप्त इलाके में कैप कर रहे थे, तब उन पर हमला किया गया था।



प्रतापगढ़ में धारदार हथियार से पत्नी की हत्या, नशे में पति ने दिया वारदात को अंजाम

विश्व केसरी■
प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां फतनपुर थाना इलाके के पटहटिया कला गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला मंजू यादव की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद पति अजय यादव ने ही पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस जब जांच में जुटी तो सच्चाई कुछ और ही निकली। जांच में पता चला कि मंजू को मौत के घाट उतारने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका पति अजय यादव ही है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात शराब पीने के बाद पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था। शराब की ललत को लेकर दोनों में अक्सर कहासुनी होती थी। रात में भी इसी बात को लेकर झगड़ा बढ़ गया और गुस्से में आकर पति ने खौफनाक कदम उठा लिया। उसने अपनी पत्नी मंजू के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला की मौत के बाद गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस मामले पर एएसपी आलोक कुमार ने बताया, ‘थाना फतनपुर पर शनिवार सुबह 4 बजे सूचना प्राप्त हुई कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा अजय यादव की पत्नी मंजू की हत्या कर दी गई है। पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके का मुआयना किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया है कि मृतका का पति अजय यादव शराब पीने का आदी था। उसी को लेकर बीते रात उन दोनों में कहा-सुनी हुई, इसके बाद अजय द्वारा मंजू यादव की हत्या कर दी गई। इस प्रकरण से संबंधित अभियुक्त को हिरासत में लिया गया है, जिसने घटना में संलिप्तता स्वीकार की है।



आंध्र प्रदेश : जनसेना पार्टी ने नगर पालिका चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी की, पवन कल्याण ने दी मंजूरी

विश्व केसरी■
अमरावती। आंध्र प्रदेश में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों से पहले जनसेना पार्टी ने अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी अध्यक्ष व डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत चुनावों के लिए उम्मीदवारों की लिस्ट को मंजूरी दे दी है।

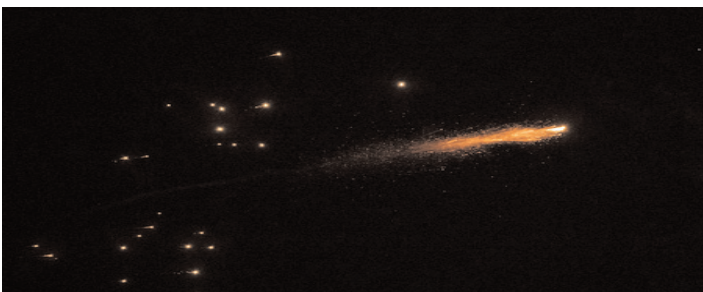


गोल्लाप्रोलु से कादरी तम्मय्या नायडू, नरसापुरम से कोटापल्ली शैलजा, निदादवोले से कल्लम ज्योति, पेदाना से मत्ता शिव पावनी, पीठापुरम से डॉ. बीरा विजय शेखर, पुट्टूर से डॉ. एलुमलाई, सालूर से गोरले विजयकुमारी, समालकोट से पिट्टा जानकी रामा राव, तेनाली से थोटाकुरा वेंकट रमण राव, चिलकलुरिपेट से थोटा राजराजेश्वरी, और तिरुवुरू से पी. माधवी शामिल हैं।

बता दें कि आंध्र प्रदेश राज्य चुनाव आयोग ने 2026 के लिए स्थानीय निकाय और नगरपालिका चुनावों का शेड्यूल जारी कर दिया है। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती भगवान शिव को समर्पित अमरेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व का है। यह कभी सातवाहन और पल्लव राजाओं की राजधानी थी। सातवाहनों के उदय से पहले अमरावती बौद्ध धर्म का केंद्र था और मौर्य साम्राज्य में सम्राट अशोक (269–232 ईसा पूर्व) के शासनकाल में यहां एक स्तूप और मठ बनाया गया था। फरवरी 2014 में आंध्र प्रदेश राज्य का विभाजन हुआ, जिसके बाद नए राज्य को एक नई राजधानी की जरूरत पड़ी।

हूती विद्रोहियों ने अदन के एयरपोर्ट पर किया मिसाइल हमला, सऊदी अरब ने कई ड्रोन और मिसाइलें मार गिराने का किया दावा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। यमन में एक बार फिर हूती विद्रोहियों को हमला हुआ। दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में हूती विद्रोहियों ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया। अदन की सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि हूती विद्रोहियों की ओर से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलें हवाई अड्डे के परिसर में गिरां।



सुरक्षा प्रशासन के बयान के अनुसार, अदन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर के अंदर दो मिसाइलें गिरां। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक स्थानीय सुरक्षा अधिकारी ने पहले बताया था कि दो मिसाइलें मिसाइल पश्चिमोत्तर अदन के अल-बुरैका इलाके में सऊदी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के मुख्यालय के पास स्थित एक सैन्य अड्डे पर लगी। हमले के दौरान शहर में तीन जोरदार धमाके सुनाई दिए। अदन, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी

सरकार का अस्थायी मुख्यालय है। इन धमाकों से दहल उठा। मौके पर मौजूद लोगों और स्थानीय निवासियों के मुताबिक, हमले के बाद कई एम्बुलेंस प्रभावित इलाकों की ओर जाती हुई देखी गईं। हमले के कुछ ही समय बाद, हूती समूह द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी ने समूह के एक सैन्य नेता के हवाले से बताया कि उनका निशाना अदन एयरपोर्ट के पास स्थित बद्र सैन्य शिविर में सऊदी सेना के मुख्यालय और हथियार भंडार थे।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला उस घटना के एक दिन बाद हुआ, जो जब अदन स्थित अल-माशिक राष्ट्रपति

महल परिसर पर मिसाइल हमला हुआ था। यमन सरकार के अनुसार उस हमले में पांच लोगों की मौत हुई थी और 16 लोग घायल हुए थे। हूती समूह ने उस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि उसने राष्ट्रपति महल परिसर के अंदर मौजूद ‘सऊदी सैन्य अभियान मुख्यालय’ को निशाना बनाया था। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले शुक्रवार को सऊदी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने कहा कि उनकी सेना ने सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र और राजधानी रियाद के ऊपर उड़ रहे तीन ड्रोन मार गिराए।

असम विश्वविद्यालय के कुलपति को गुवाहाटी हाईकोर्ट का झटका, पद छोड़ने का निर्देश

विश्व केसरी■
गुवाहाटी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने सिलचर स्थित असम विश्वविद्यालय के कुलपति राजीव मोहन पंत को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के उल्लंघन के आरोप में पद छोड़ने का निर्देश दिया है।



हाईकोर्ट के इस हस्तक्षेप से केंद्रीय विश्वविद्यालय के शीर्ष प्रशासनिक पद की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि यूजीसी नियमों के तहत पात्रता मानदंडों और निर्धारित प्रक्रियाओं से संबंधित उल्लंघनों की खबरें सामने आई हैं। एक अधिकारी के अनुसार, उच्च न्यायालय ने 14 अक्टूबर को यह निर्देश जारी कर पंत को कुलपति पद से इस्तीफा देने को कहा। खबरों के मुताबिक, नियुक्ति को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि सरकार से जबाब का ईंजराज कर यूजीसी के निर्धारित मानदंडों का पालन नहीं किया गया। इस विवाद

ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की भूमिका को भी जांच के दायरे में ला दिया है क्योंकि केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रमुख को नियुक्ति उच्च शिक्षा संस्थानों को नियंत्रित करने वाले व्यापक नियमों के अंतर्गत आती है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रदोश किरणनाथ ने कहा कि इस न्यायालय ने 14 अक्टूबर नई दिल्ली स्थित वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है। विश्वविद्यालय आगे की कार्रवाई तय करने से पहले केंद्र सरकार को चुनौती दी गई है कि रहा है। उच्च न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि विवाद के संबंध में

कुलपति को पहले से भुगतान किए गए वेतन की वसूली का प्रश्न उठाया गया है। हालांकि, न्यायालय के आदेश और विश्वविद्यालय द्वारा उठाए जाने वाले प्रशासनिक कदमों के सटीक कानूनी निहितार्थ आधिकारिक सूचना और आगे की कार्यवाही पर निर्भर करेंगे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब वरिष्ठ शैक्षणिक और प्रशासनिक पदों पर नियुक्तियों से संबंधित यूजीसी के नियमों का अनुपालन देशभर के विश्वविद्यालयों के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है।

रूल ऑफ माफिया से मुक्त हुआ यूपी, अब रूल ऑफ लॉ का राज: मुख्यमंत्री योगी

विश्व केसरी■
लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ‘रूल ऑफ माफिया’ से मुक्त हुआ है और ‘रूल ऑफ लॉ’ लागू हुआ है। वर्ष 2017 से पहले कानून-व्यवस्था और निवेश को लेकर संदेह रहता था। माफिया से विकास



बाधित था। सरकार ने कानून का शासन स्थापित कर प्रदेश की छवि बदली है। कोई व्यक्ति या पद संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। उन्होंने युवा अधिकारियों से कहा कि अन्याय सामने हो तो चुप रहना विकल्प नहीं है। फैसला इतिहास सुनाएगा, लेकिन बहस अपको करनी है। मुख्यमंत्री योगी शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। छात्राओं ने

सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने मेधावियों को पदक दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त 1947 और 26 जनवरी 1950 के साथ 25 जून 1975 भी लोकतंत्र की महत्वपूर्ण तारीख है। आपातकाल ने ‘रूल ऑफ लॉ’ और ‘रूलर ऑफ लॉ’ का अंतर समझाया। न्यायमूर्ति एचएम खन्ना की असहमति का उल्लेख करते हुए कहा कि सिद्धांतों के पक्ष में लिया निर्णय इतिहास में स्थान बनाता है। युवा अधिकारियों को संबोधित की मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ‘सत्यं वद,

धर्मं चर, स्वाध्यायान्मा प्रमदः’ को चैंबर की दीवार पर नहीं, हृदय में उतारें। सत्य और निरंतर अध्ययन अधिवक्ता के जीवन का आधार हो। डॉ. लोहिया के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि विधिवेत्ता में शिव जैसा मस्तक, कृष्ण जैसा हृदय और राम जैसा वचन होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत की परिकल्पना को मुकदमे के रूप में प्रस्तुत किया। कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के इस दावे की पैरवी तथ्यों, साक्ष्यों और ईमानदारी से करनी होगी।

इंटरनेट का इस्तेमाल बच्चों का भी मौलिक अधिकार, सुरक्षा के नाम पर पूरी तरह वंचित करना गलत: सुप्रीम कोर्ट

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट के इस्तेमाल और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि इंटरनेट तक पहुंचने के अधिकार से बच्चों को पूरी तरह वंचित करना उचित नहीं होगा। बच्चों को भी अन्य लोगों की तरह संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत मौलिक अधिकार हासिल हैं। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनकी स्वतंत्रता एक-दूसरे के विरोध में नहीं हैं। बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर कर

देना उनकी ऑनलाइन सुरक्षा की ओर जा सकते हैं, जिससे सुनिश्चित करने का सही समाधान नहीं है। इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने से बच्चे असुरक्षित और अनियंत्रित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन

शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री पर नियंत्रण के लिए कई उपाय भी सुझाए। इनमें बच्चों के ऑनलाइन खतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, माता-पिता की सहमति और मार्गदर्शन को बढ़ावा देना तथा बच्चों के निजी खतों को प्राथमिकता देना शामिल है। इसके साथ ही अनजान वयस्कों की ओर से बच्चों को भेजे जाने वाले संदेशों को सीमित करने जैसे सुरक्षा उपायों पर भी जोर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार बच्चों को अश्लील वेबसाइटों और अन्य हानिकारक

ऑनलाइन सेवाओं से दूर रखने के लिए उचित प्रतिबंध लगा सकती है। इसका उद्देश्य बच्चों को ऑनलाइन दुनिया में मौजूद खतरों से बचना और उनके लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करना होना चाहिए। कोर्ट ने बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री को पहचान करने और उसे हटाने के लिए सरकार को एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने का निर्देश भी दिया है। इस तरह के डेटाबेस से ऐसी सामग्री की पहचान और उस पर कार्रवाई करने में मदद मिल सकती है।

हरियाणा हरिकेंस ने पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स और अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को हराया

विश्व केसरी ■

नोएडा। हरियाणा हरिकेंस ने वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीसीएल) में अपने सुपर 6 कैंपेन की शुरुआत पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स पर 2-1 से जीत के साथ की। वहीं, अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को 3-0 से हराया।

हरियाणा ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहला सेट 21-17 से जीता। पंजाब ने दूसरे सेट में हरियाणा को इसी स्कोर के साथ जवाब दिया। तीसरा सेट रोमांचक और निर्णायक था। हरियाणा हरिकेंस ने आखिरी सेट में नियंत्रण हासिल किया और 21-10 से जीत हासिल करते हुए मैच 2-

1 से जीता।

हरियाणा के लिए चिराग यादव प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

जीत के बाद चिराग ने कहा, 'सुपर 6 स्टेज की शुरुआत जीत के साथ करके बहुत अच्छा लग रहा है। पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स एक मजबूत टीम है। उन्होंने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की, लेकिन हम सकारात्मक रहे और अपने गेम पर फोकस किया। हम जानते थे कि तीसरा सेट बहुत जरूरी है। हमने मिलकर काम किया। अपनी तेजी बनाए रखी और अपने प्लान को अच्छे से पूरा किया। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। आगे के मैचों में भी हम जीत की लय बरकरार रखना

चाहेंगे। एक अन्य मैच में अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अयोध्या ने तमिल टाइटंस पर 21-14, 21-20, 21-19 से जीत दर्ज की।

पहले दो सेट जीतने के बाद अयोध्या नियंत्रण में लग रही थी। तमिल टाइटंस ने तीसरे सेट में 18-12 की बढ़त बनाकर मैच को आगे बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन गर्जन ने जबरदस्त वापसी करते हुए 18-18 से बराबरी कर ली, फिर आगे निकल गई। तमिल टाइटंस ने 19-19 से बराबरी कर ली, लेकिन अयोध्या ने अगले दो पॉइंट लेकर स्वीप पूरा कर लिया। अयोध्या गर्जन के प्रणव कपिल देव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जीत के बाद प्रणव ने कहा, 'अपने सुपर 6 कैंपेन की शुरुआत जीत के साथ करके बहुत अच्छा लग रहा है। तमिल टाइटंस ने हम पर दबाव डाला, खासकर तीसरे सेट में, जब उनके पास छह पॉइंट की बढ़त थी।

लेकिन हमें खुद पर भरोसा था और हम अपने गेम पर फोकस करते रहे। टीम ने शानदार फाइटिंग स्पिरिट दिखाई और पूरे मैच में एक-दूसरे को सपोर्ट किया। हम जानते थे कि जब मौके आएंगे तो हमें उनका फायदा उठाना होगा। मुझे खुशी है कि हम अच्छी वापसी करने और मैच को सीधे सेटों में खत्म करने में कामयाब रहे।

वर्ल्ड कप 2027 के लिए बुमराह की तैयारी? 2023 के बाद खेले हैं सिर्फ दो वनडे मैच

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान हो चुका है। बुमराह की टेस्ट में तो वापसी हुई है लेकिन एक बार फिर उन्हें वनडे टीम में नहीं रखा गया है। तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए बुमराह को पांच मैचों की वनडे सीरीज में मौका मिलने की उम्मीद थी लेकिन इस बार भी वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर उन्हें सिर्फ टेस्ट टीम में रखा गया है।

बुमराह ने पिछले वनडे विश्व कप 2023 के बाद से अब तक सिर्फ दो एकदिवसीय मुकाबले ही खेले हैं। साल 2024 और 2025 में बुमराह ने एक वनडे मैच तक नहीं खेला। 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुमराह को टीम में रखा गया। दो वनडे मैच खेलने के बाद बुमराह चोटिल हो गए थे और आखिरी एकदिवसीय

मुकाबला नहीं खेल सके थे।

अब सवाल यह है कि अगर भारतीय टीम अगले साल साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी कर रही है, तो बुमराह को ज्यादा से ज्यादा वनडे मैचों में खेलने का मौका क्यों नहीं मिल रहा है। बुमराह की फॉर्म पर किसी को कोई शक नहीं है। हालांकि, वनडे मैचों के हिसाब से बुमराह की फिटनेस और माइंडसेट को तैयार रखना जरूरी है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई घरेलू वनडे सीरीज में भी बुमराह को टीम में नहीं रखा गया था और उन्हें एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने गई टीम के साथ भेजा गया था।



जयदेव उनादकट: बेहतरीन कप्तान, उम्दा गेंदबाज, सौराष्ट्र को 2 बार रणजी चैंपियन बनाया



जयदेव उनादकट का जन्म 18 अक्टूबर 1991 को पोरबंदर, सौराष्ट्र में हुआ था। सौराष्ट्र क्रिकेट का गढ़ माना जाता है और इसका असर उनादकट पर भी पड़ा। उन्होंने क्रिकेट में ही करियर बनाने का फैसला लिया। 2010 में उनादकट ने प्रथम श्रेणी में वेस्टइंडीज ए के खिलाफ डेब्यू किया और दमदार प्रदर्शन किया। इसके बाद उसी साल भारतीय टीम के लिए उन्होंने टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डेब्यू किया। इसके बाद वनडे में 2013 और टी20 में 2016 में उनका डेब्यू हुआ।

उनादकट की राष्ट्रीय टीम में वापसी और ड्रॉप होने का लंबा इतिहास रहा है। वह कभी भी भारतीय टीम में किसी भी फॉर्मेट में अपनी जगह नहीं बना पाए।

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जयदेव उनादकट बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। गेंद को स्विंग कराने की क्षमता उन्हें अन्य गेंदबाजों से अलग बनाती है।

भारतीय टीम के लिए खेलते हुए जयदेव को बड़ी सफलता नहीं मिली, लेकिन घरेलू क्रिकेट में बतौर खिलाड़ी और कप्तान उन्होंने शानदार सफलता हासिल की है।

वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए जेक फ्रेजर: मैकगर्क



विश्व केसरी ■

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने शनिवार को कैरेन रोल्टन ओवल में क्वींसलैंड के खिलाफ दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज वन-डे कप फिफ्टी लगाकर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। हालांकि, वह वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए।

फ्रेजर-मैकगर्क ने 63 गेंदों में 122 रन की पारी खेली इस पारी में उन्होंने 10 चौके और नौ छक्के लगाए। मैकगर्क ने कप्तान नाथन मैकस्वीनी (103 गेंदों में 106) के साथ मिलकर दक्षिण ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 7 विकेट पर 397 तक पहुंचाया। मैकगर्क ने अपनी पारी के दौरान 14 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। वह लिस्ट ए क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी के सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। सूर्यवंशी के नाम 11 गेंदों पर लिस्ट ए अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड है। मैकगर्क का अर्धशतक लगाकर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ लिस्ट ए क्रिकेट का चौथा सबसे तेज अर्धशतक है।

मैकगर्क अपनी पारी में शुरुआत से ही आक्रामक थे। उन्होंने टॉम स्ट्रैकर के दूसरे ओवर में 22 रन लिए और चौथे ओवर में चौका लगाया। छठे ओवर में हेडन केर की गेंद पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 49 गेंदों पर शतक पूरा किया।

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर कृणाल पंड्या करेंगे। पहले भारतीय टीम की कप्तानी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार करने वाले थे, लेकिन 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में उनके चयन के बाद कृणाल को यह जिम्मेदारी दी गई।

भुवनेश्वर कुमार की जगह हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए चुनी गई भारतीय टीम में तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम में कृणाल पंड्या और कुलवंत खेजरोलिया के अलावा शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के पास आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। साथ ही, टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिहाज से संतुलित और मजबूत है।

कामना करते हैं। हम भविष्य में हांगकांग सिक्सेस में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

हांगकांग सिक्सेस 2026 का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 12 टीमों हिस्सा लेंगी। भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-सी में रखा गया है। इस ग्रुप की तीसरी टीम यूएई है। ग्रुप चरण में हर टीम को अपने ग्रुप की बाकी दोनों टीमों से मुकाबला करना है। इसके बाद प्रदर्शन के आधार पर टीमों में कप, प्लेट और बाउल वर्गों में आगे बढ़ेंगी। हांगकांग सिक्सेस का फॉर्मेट अनोखा है। एक टीम में 6 खिलाड़ी हो सकते हैं और मैच 5-5 ओवर का खेला जाता है।

विकेटकीपर को छोड़कर सभी खिलाड़ी 1-1 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं।

हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए भारतीय टीम: कृणाल पंड्या (कप्तान), शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी, टी. नटराजन और कुलवंत खेजरोलिया।

नेशनल टीम में बुलावा मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। चार साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी वापसी एक खास मील का पत्थर है, और हम भारत के न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी हर सफलता की

जयदेव उनादकट: बेहतरीन कप्तान, उम्दा गेंदबाज, सौराष्ट्र को 2 बार रणजी चैंपियन बनाया



जयदेव उनादकट का जन्म 18 अक्टूबर 1991 को पोरबंदर, सौराष्ट्र में हुआ था। सौराष्ट्र क्रिकेट का गढ़ माना जाता है और इसका असर उनादकट पर भी पड़ा। उन्होंने क्रिकेट में ही करियर बनाने का फैसला लिया। 2010 में उनादकट ने प्रथम श्रेणी में वेस्टइंडीज ए के खिलाफ डेब्यू किया और दमदार प्रदर्शन किया। इसके बाद उसी साल भारतीय टीम के लिए उन्होंने टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डेब्यू किया। इसके बाद वनडे में 2013 और टी20 में 2016 में उनका डेब्यू हुआ।

उनादकट की राष्ट्रीय टीम में वापसी और ड्रॉप होने का लंबा इतिहास रहा है। वह कभी भी भारतीय टीम में किसी भी फॉर्मेट में अपनी जगह नहीं बना पाए।

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महिला कोच शेली निट्स्के ने पहली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की तैयारियों को मुश्किल बताया है। उन्होंने कहा कि टी20 टूर्नामेंट की तैयारी में कुछ ही मौके मिलते हैं।

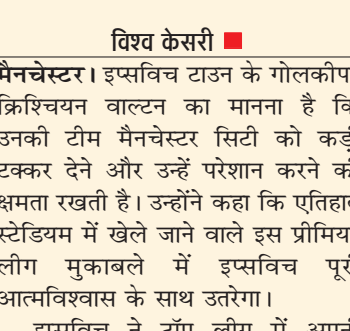
निट्स्के ने शनिवार को सिडनी में कहा, 'हर बार जब हम मैदान पर उतरते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया को रिप्रेजेंट करना जरूरी होता है, लेकिन हर बार जब हम मैदान पर उतरते हैं तो गेम को बेहतर बनाना भी जरूरी होता है। हमारे लिए चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कोई और इंटरनेशनल टी20 नहीं है, इसलिए वे किसी भी चीज जितने ही जरूरी हैं। उस चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अभी थोड़ा समय है, और कुछ डोमेस्टिक क्रिकेट खेलना है।

लेकिन यह हमारे लिए एक टीम के तौर पर मैदान पर उतरने और उस तरह का क्रिकेट खेलने का एक और मौका है जैसा हम खेलना चाहते हैं।'

उन्होंने स्थिति को मुश्किल बताया और कहा कि वे डब्ल्यूपीएल में टूर्नामेंट के लिए और तैयारी करने की कोशिश करेंगी, जो उन्हीं कंडीशन में खेला जाएगा जिनमें चैंपियंस ट्रॉफी होगी।

है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले तीन महीनों में कोई टी20 मैच न होने पर चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी कैसे करेगी। हमारे पास अभी चैंपियंस ट्रॉफी का पूरा शेड्यूल नहीं है। उससे पहले डब्ल्यूपीएल होगा, और उसमें हमारे कुछ खिलाड़ी शामिल होंगे।

‘हम मैनचेस्टर सिटी को परेशान कर सकते हैं,’: इप्सविच गोलकीपर वाल्टन



विश्व केसरी ■

मैनचेस्टर। इप्सविच टाउन के गोलकीपर क्रिश्चियन वाल्टन का मानना है कि उनकी टीम मैनचेस्टर सिटी को कड़ी टक्कर देने और उन्हें परेशान करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि इतिहाद स्टेडियम में खेले जाने वाले इस प्रीमियर लीग मुकाबले में इप्सविच पूरी आत्मविश्वास के साथ उतरेगा।

इप्सविच ने टॉप लीग में अपनी वापसी की एक अच्छी शुरुआत की है, उसे लीग की शीर्ष टीम के खिलाफ एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, वाल्टन ने कहा कि उनकी टीम इंग्लिश फुटबॉल की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार है।

मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए वाल्टन ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि मैनचेस्टर सिटी का सामना एक अच्छी इप्सविच टीम से होने वाला है। हमें पूरे आत्मविश्वास के साथ वहां जाना होगा। पूरी टीम खेलने के लिए बेताब है। जिसे भी चुना जाएगा, वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार रहेगा। यह एक अलग तरह की चुनौती है। एक ऐसी चुनौती है, जिसमें आप खुद को परखना चाहते हैं। हम वहां जाकर बहुत अच्छा

प्रदर्शन कर सकते हैं और मैन सिटी को परेशान कर सकते हैं।

मैनचेस्टर सिटी, प्रीमियर लीग के वित्तीय नियमों के कथित तौर पर 114 बार उल्लंघन से जुड़े खुलासों के बाद

जांच के दायरे में है। क्लब ने इन निष्कर्षों के खिलाफ अपील की है, लेकिन यह विवाद लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, पिछले सप्ताहांत एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ 3-0 की जीत के

साथ सिटी ने मैदान पर अपनी काबिलियत साबित की, जबकि उन्हें वहां दर्शकों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। इसके बाद, बुधवार को चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मुकाबले में उन्हें अपने घरेलू मैदान पर पेरिस सेंट-जर्मेन के हाथों 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।

वाल्टन ने कहा है कि सिटी से जुड़े विवाद का इप्सविच की तैयारियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उनकी टीम पूरी तरह से सामने आने वाली फुटबॉल चुनौती पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने कहा, 'हम इस विवाद को नजरअंदाज कर रहे हैं। इससे हमारे खेल पर कोई फर्क नहीं पड़ता और न ही इससे उन पर कोई फर्क पड़ने वाला है। हम एक अच्छी मैन सिटी टीम का सामना करने जा रहे हैं, और उनका सामना एक अच्छी इप्सविच टीम से होने वाला है। सच कहूँ तो, इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता।'

गोलकीपर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम के अंदर पूरा ध्यान 'सिटी' के वित्तीय मामले से जुड़ी चर्चाओं के बजाय पूरी तरह से मैच पर ही केंद्रित रहा। इप्सविच ने अब तक प्रीमियर लीग में तीन जीत दर्ज की हैं और वे एंजो मारेस्का की टीम के खिलाफ अपनी इस अच्छी शुरुआत को और आगे बढ़ाना चाहेंगे।

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 सीजन में स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली (एससी डिल्ली) के लिए पहला मैच उत्साह बढ़ाने वाला रहा। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए मैच में टीम का समर्थन करने के लिए 14,971 दर्शक आए।

दर्शकों की संख्या इस बात का सबूत है कि इस नए क्लब में लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। क्लब राजधानी में अपनी मजबूत पहचान और फैन बेस बनाना चाहता है। साथ ही, यह राष्ट्रीय राजधानी में फुटबॉल को लेकर बढ़ते क्रेज का भी सबूत है।

हालांकि, मैच का परिणाम एससी दिल्ली के पक्ष में नहीं रहा। मोहन बागान सुपर जायंट (आईएसएल) 2026-27 सीजन में स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली (एससी डिल्ली) के लिए पहला गोल मारा। हनामते ने 23वें मिनट में एससी दिल्ली के लिए पहला गोल मारा। हनामते ने मनोज मोहम्मद के बनाए गए मूव को गोल में बदलकर होम टीम को अच्छी बढ़त दिलाई।

पहले हाफ में शानदार खेल दिखाने के बाद दिल्ली ने हाफ-टाइम तक अपनी बढ़त बनाए रखी। मेहमान टीम ने दूसरे हाफ में वापसी की और ली इरविन ने 56वें मिनट में गोल कर मैच को बराबरी पर ला दिया। चार मिनट बाद मिगुएल फिगुएरा ने गोल करके मोहन बागान को निर्णायक बढ़त दिला दी। आखिरी समय में भी दोनों टीमों ने गोल करने की कोशिशें



जारी रखीं, लेकिन सफलता किसी टीम को नहीं मिली। समीर जेल्वकोविच ने बॉक्स के अंदर से नोरा फर्नांडीस को परखा, जबकि अल्बर्टो रोड्रिगेज ने कॉर्नर के बाद हेडर से क्रॉसबार के ऊपर से शांट मारा। मनवीर सिंह ने भी मैच के आखिर में एससी दिल्ली के गोलकीपर को बचाव करने के लिए मजबूर किया, क्योंकि मेहमान टीम अपनी बढ़त बढ़ाना चाहती थी।

सरकार ने चीनी से बनने वाले एथेनॉल की खरीद पर लगाई रोक, कमजोर मानसून से उत्पादन प्रभावित



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चीनी की कीमतों को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से सरकारी ईंधन कंपनियों को चीनी और गन्ने से बनने वाले प्रमुख कच्चे माल से तैयार एथेनॉल की खरीद रोकने का निर्देश दिया है।

टैंडर दस्तावेज के अनुसार, मौसम शुष्क रहने से गन्ने के उत्पादन पर असर पड़ने के बाद यह निर्देश एक नवंबर से शुरू होने वाले नए आपूर्ति वर्ष से लागू होगा।

सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड ने सरकार के नए निर्देशों का हवाला देते हुए नए आपूर्ति वर्ष के लिए लगभग 1,100 करोड़ लीटर एथेनॉल खरीद का संयुक्त टैंडर जारी किया है।

दस्तावेज के अनुसार, 'इस मात्रा-आधारित टैंडर में गन्ने के रस, चीनी, चीनी के सिरप और बी-हेवी शीरे से उत्पादित एथेनॉल के लिए कोई प्रस्ताव नहीं मांगा गया है।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक भारत इस साल पिछले साल की तुलना में कम उत्पादन की स्थिति का सामना कर रहा है। अल नीनो के प्रभाव के कारण एक दशक से अधिक समय में सबसे कमजोर मानसून दर्ज किया गया, जिससे गन्ने की फसल प्रभावित हुई।

भारत आयातित तेल पर कम करने के प्रयासों के तहत एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने और अनाज का इस्तेमाल लगातार बढ़ा रहा है। नए टैंडर में भाग लेने वाले आपूर्तिकर्ता सी-हेवी शीरे, खराब हो चुके खाद्यान्न, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से खरीदे गए अतिरिक्त चावल, मक्का और राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के तहत अनुमत अन्य कच्चे माल से उत्पादित एथेनॉल की पेशकश कर सकते हैं।

इसके अलावा, सरकार ने चीनी मिलों को अक्टूबर 2026 में उत्पादित चीनी को (नियमित मासिक रिलीज कोटे के अतिरिक्त) अक्टूबर और नवंबर 2026 के दौरान बेचने की अनुमति दी है।

सरकारी आदेश के अनुसार, अगर कोई चीनी मिल अक्टूबर के दौरान 1,000 मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन करती है, तो वह इस मात्रा को अक्टूबर और नवंबर में बेच सकती है। यह बिक्री नियमित मासिक रिलीज कोटे के तहत आवंटित मात्रा के अतिरिक्त होगी।

कोटा में किडनी संबंधी जटिलताओं से दो और गर्भवती महिलाओं की मौत



विश्व केसरी ■ जयपुर। राजस्थान के कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद दो नवमाताओं में किडनी संबंधी जटिलताएं विकसित होने की खबर है।

रेशमा की हालत बिगड़ने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और वर्तमान में उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

दूसरी मरीज, अनीता को अस्पताल के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। आगे की जांच लंबित होने के कारण हाल की जटिलताओं का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

खबरों के मुताबिक, रेशमा का बुधवार को न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके कारण उनके परिवार ने उन्हें आगे के इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है। उनकी अचानक बिगड़ती सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि बताया जा रहा है कि प्रसव के बाद उन्हें किडनी से संबंधित जटिलताएं हो गई हैं।

हालांकि, उनकी मौजूदा स्थिति के बारे में अभी तक कोई पुष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। एक और अनीता को भी सिजेरियन डिलीवरी के बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो गई हैं।

इन ताजा मामलों ने लगभग पांच महीने पहले इसी अस्पताल में हुई एक ऐसी ही घटना को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं, जब कथित तौर पर सिजेरियन डिलीवरी के बाद 12 नवमाताओं में किडनी की विफलता विकसित हो गई थी, जिसके परिणामस्वरूप पांच की मौत हो गई थी।

जानकारी के अनुसार एक मरीज रेशमा की हालत बिगड़ने पर उसे एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और वर्तमान में उसका गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज चल रहा है।

दूसरी मरीज, अनीता को अस्पताल के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

चेहरे की झुर्रियों से हैं परेशान? रोज करें कपोल शक्ति विकासक क्रिया

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। प्राचीन भारतीय योग परंपरा में शरीर के प्रत्येक अंग को स्वस्थ, क्रियाशील और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए विशिष्ट क्रियाओं का विधान है। इन्हीं में से महत्वपूर्ण 'कपोल शक्ति विकासक' क्रिया है। यह आसन न केवल चेहरे की सुंदरता और तेज को बढ़ाता है बल्कि यह पाचन क्रिया, वाणी और प्राण शक्ति से भी गहरा संबंध रखता है।

संस्कृत में 'कपोल' का अर्थ गाल और 'शक्ति विकासक' का अर्थ है शक्ति को विकसित करने वाला। अर्थात् यह एक ऐसा क्रिया है जो गालों की मांसपेशियों को सक्रिय, सशक्त और सुदौल बनाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने 'कपोल शक्ति विकासक' को चेहरे की मांसपेशियों और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बताया है। यह क्रिया देखने में बहुत सरल है लेकिन इसके नियमित अभ्यास से चेहरे पर रक्त संचार बढ़ता है, गालों में स्वाभाविक लालिमा और कसावट आती है तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता भी बेहतर होती है। इसलिए इसे चेहरे के योग या फेशियल योग का एक महत्वपूर्ण अंग माना जाता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, गलत खानपान और बढ़ती उम्र के कारण चेहरे की मांसपेशियां ढीली पड़ने लगती हैं, चेहरे पर झुर्रियां आ जाती हैं। ऐसे में कपोल शक्ति विकासक न केवल चेहरे की सुंदरता और तेज को बढ़ाता है बल्कि यह पाचन क्रिया, वाणी और प्राण शक्ति से भी गहरा संबंध रखता है।

कपोल शक्ति विकासक अभ्यास के फायदे कई हैं। यह चेहरे की मांसपेशियों को टोना करता है, जिससे गालों में खिंचाव आता है और चेहरा आकर्षक बनता है। जालंधर बंध के कारण थायरोइड ग्रंथि की कार्यक्षमता सुधरती है।



फेशियल योग का एक महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, गलत खानपान और बढ़ती उम्र के कारण चेहरे की मांसपेशियां ढीली पड़ने लगती हैं, चेहरे पर झुर्रियां आ जाती हैं। ऐसे में कपोल शक्ति विकासक न केवल चेहरे की सुंदरता और तेज को बढ़ाता है बल्कि यह पाचन क्रिया, वाणी और प्राण शक्ति से भी गहरा संबंध रखता है।

कपोल शक्ति विकासक अभ्यास के फायदे कई हैं। यह चेहरे की मांसपेशियों को टोना करता है, जिससे गालों में खिंचाव आता है और चेहरा आकर्षक बनता है। जालंधर बंध के कारण थायरोइड ग्रंथि की कार्यक्षमता सुधरती है।

रोजाना 5 मिनट करें सेतुबंधासन, दूर होगी कब्ज की समस्या और मजबूत होगी रीढ़ की हड्डी

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आजकल की व्यस्त दिनचर्या और दफ्तर में घंटों में बैठे रहने से कमर दर्द, तनाव और थकान होना आम समस्या बन गई है। ऐसे में सेतुबंधासन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से शरीर को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। इसके नियमित अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी लचीली रहती है और शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है।

सेतुबंधासन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'सेतु' मतलब पुल और 'बंध' मतलब बांधना। इस आसन को करने के दौरान शरीर की आकृति पुल जैसी बनती है, इसलिए इसे सेतुबंधासन या ब्रिज पोज कहा जाता है। यह आसन दिखने में जितना आसान लगता है, फायदे में भी उतने ही कारगर होते हैं। यह न सिर्फ रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाता है बल्कि दिल को स्वस्थ रखने, पाचन सुधारने और मन को शांत रखने में भी मदद करता है।

शादी से पहले या शादी के बाद निराश व्यक्ति अवश्य मिले

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

जब कहीं न हो फायदा तो एक बार जरूर मिले

छत्तीसगढ़ के नं.01 सेक्सोलॉजिस्ट

डॉ. सागर

धातू रोग शुक्राणु की कमी शिप्रपतन रजणदोष निःस्तान

मेन ब्रांच : सालेम स्कूल के सामने, मोतीबाग चौक रायपुर (छ.ग.)

BEST AYURVEDIC CHIKITSAK AWARD 2023

९8 109 126351 9425257615

आयुर्वेद के 'अमृत': लौंग से ज्वार तक, सेहत के लिए वरदान भगवती को प्रिय ये चीजें

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। शारदीय नवरात्रि को लेकर हर तरफ भक्ति और उल्लास है। नवरात्रि के दौरान भक्त मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए कई विशेष चीजें अर्पित करते हैं, जैसे लौंग, ज्वार-ज्वारे का रस, पान का पत्ता, किशमिश, गुड़, तिल और इलायची। ये न केवल देवी को प्रिय हैं, बल्कि आयुर्वेद में इन्हें औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है।

देवी को प्रिय ये चीजें सेहत का खजाना भी हैं, जो पाचन, रोग प्रतिरोधक क्षमता, श्वसन और तन मन दोनों के स्वास्थ्य को मजबूत बनाती हैं। गुप्त नवरात्रि में इनका इस्तेमाल से दांत दर्द, माइग्रेन के साथ ही मुंह की दुर्गंध और पाचन समस्याओं में भी राहत मिलती है। इसमें यूजेनॉल नामक

भोग लगाने से आध्यात्मिक और शारीरिक लाभ दोनों मिलते हैं। लौंग :- लौंग को आयुर्वेद में खासा स्थान प्राप्त है। नेचुरल पेन किलर के तत्व होता है, जो एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण प्रदान करता है। यह खांसी, सर्दी-जुकाम में राहत देता है और पेट की गैस, एसिडिटी को दूर करता है। लौंग चबाने से मुंह ताजा रहता है और इम्युनिटी बढ़ती है।

ज्वार-ज्वारे का रस :- ज्वारे का रस आयुर्वेद में अमृत तुल्य माना जाता है। यह विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। ज्वारे का रस शरीर को अंदर से साफ कर, ब्लड शुगर कंट्रोल करता है और डायबिटीज में भी फायदेमंद है। यह पाचन सुधारता है, वजन घटाने में मदद करता है और जोड़ों के दर्द, सूजन को कम करता है। कलश स्थापना में ज्वार बेहद जरूरी होता है।

पान का पत्ता :- यह आयुर्वेद में पाचन, श्वसन और मुंह स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है। यह एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होता है, जो बैक्टीरिया से लड़ता है और मुंह की दुर्गंध दूर करता है।



तत्व होता है, जो एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण प्रदान करता है। यह खांसी, सर्दी-जुकाम में राहत देता है और पेट की गैस, एसिडिटी को दूर करता है। लौंग चबाने से मुंह ताजा रहता है और इम्युनिटी बढ़ती है।

ज्वार-ज्वारे का रस :- ज्वारे का रस आयुर्वेद में अमृत तुल्य माना जाता है। यह विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। ज्वारे का रस शरीर को अंदर से साफ कर, ब्लड शुगर कंट्रोल करता है और डायबिटीज में भी फायदेमंद है। यह पाचन सुधारता है, वजन घटाने में मदद करता है और जोड़ों के दर्द, सूजन को कम करता है। कलश स्थापना में ज्वार बेहद जरूरी होता है।

पान का पत्ता :- यह आयुर्वेद में पाचन, श्वसन और मुंह स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है। यह एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होता है, जो बैक्टीरिया से लड़ता है और मुंह की दुर्गंध दूर करता है।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170 9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

☎ Bade Uria, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) ☎ 911677722
☎ Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Garivaband (C.G.) ☎ 7509007388
✉ drprajwalsoni@gmail.com

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लार्ज, नया ले जार्ज

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
☎ 83700 09993

:H.O.:
Madarsa Road Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:
Marine Drive, Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997



श्री साई केयर हॉस्पिटल

शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)

आपके स्वास्थ्य का भरोसा...

महीने के प्रत्येक सोमवार को फ्री ओपीडी
समय : शाम 6 बजे से 8 बजे तक

मेडिसिन विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine Diabetic & Geriatric Care)

उपलब्ध सेवाएँ:

- हाइपरटेंशन (मधुमेह) उपचार
- साई स्क्वैड उपचार (रक्त रक्तवाहक)
- शायरीडन विकार
- हार्ड डिजिज (हृदय संबंधी समस्याएं)
- किडनी व फेफड़े की रोग
- फेफड़ों की समस्याएं (अस्थमा, COPD)
- बुढ़ाप व उमेरकाल (सायरस, टायफाइड)
- पेट की समस्याएं (रोग, अपच, एसिडिटी)
- सामान्य रोगों की जांच व उपचार
- न्यूरोलॉजिकल समस्या (हिरन चढ़, हिरन आदि)

जनरल सर्जरी विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(MS. General Surgery)

उपलब्ध सेवाएँ:

- पाचन (गastro) का ऑपरेशन
- किडनी और फेफड़ों का उपचार
- हड्डी सर्जरी (हड्डीभंग / फ्रैक्चर)
- एपेंडिसाइटिस (अपेंडिसाइटिस) सर्जरी
- सायररीड सर्जरी
- गोत्र की सर्जरी (पित्त की चरबी) का ऑपरेशन
- बेस्ट सर्जरी / ट्यूमर सर्जरी
- किडनी ट्यूमर / फेफड़ों / फेफड़ों / फेफड़ों
- हाइड्रोसेली / वरिष्कोसी सर्जरी
- हृदय एवं फेफड़ों की शल्यक्रिया से पहले का इलाज

कैंसर रोग विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

उपलब्ध सेवाएँ:

- कैंसर के रोगी
- टॉपोग्रेफि के रोगी
- हार्मोनि के रोगी
- किडनी के रोगी
- फेफड़ों के रोगी
- कैंसर की जांच व निदान

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, हमारा प्रयत्न जीवन बचा सकती है।

शिविर विभाग

डॉ. जयकुमार पटेल
मेडिसिन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
(M.D. Medicine Diabetic & Geriatric Care)

शिविर विभाग

डॉ. अखिलेश साहू
कैंसर रोग विशेषज्ञ
(MD. Clinical Oncologist)

शिविर विभाग

डॉ. वी.पी. सिंह
जनरल सर्जरी विशेषज्ञ
(MS. General Surgery)

हमारी सुविधाएँ:

- 24 घंटे अग्रिम शिविर
- कैंसर रोगी के लिए फ्री कैंसर स्क्रीनिंग
- 24 घंटे फ्री टी.टी.टी.
- 24 घंटे फ्री टी.टी.टी.
- 24 घंटे फ्री टी.टी.टी.
- 24 घंटे फ्री टी.टी.टी.

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, हमारा प्रयत्न जीवन बचा सकती है।

श्री साई केयर हॉस्पिटल
शिव मंदिर के पास, अंबती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
एक स्वस्थ परिवार की ओर कदम बढ़ाएं, आपका स्वास्थ्य ही आपकी सबसे बड़ी गति है।

0771-4020089
96300-67422

सांसद कश्यप ने किलेपाल के माड़िया समाज को दिया बस्तर दशहरा रथ खींचने का न्योता

बस्तर दशहरा में माड़िया समाज की महत्वपूर्ण भूमिका: महेश कश्यप

विश्व केसरी ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप आज किलेपाल पहुंचे, जहां उन्होंने विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक रथ को खींचने की पीढ़ियों पुरानी परंपरा का निर्वहन करने वाले माड़िया समाज के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समाज के सदस्यों को बस्तर दशहरा में शामिल होकर ऐतिहासिक रथ खींचने की परंपरा में सहभागिता निभाने हेतु ससम्मान आमंत्रित किया।

सांसद महेश कश्यप ने कहा बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट परंपराओं, जनजातीय आस्था और सांस्कृतिक वैभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। इस महापर्व में माड़िया समाज की सहभागिता पीढ़ियों से चली आ रही उस गौरवशाली परंपरा का

हिस्सा है, जो बस्तर की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है। ऐतिहासिक रथ को खींचने की परंपरा जनजातीय समाज की समाज के सदस्यों से आत्मीय संवाद कर

बस्तर दशहरा की परंपराओं में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा इस ऐतिहासिक उत्सव में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आमंत्रण दिया। कश्यप ने आगे कहा कि बस्तर दशहरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और पीढ़ियों से संरक्षित परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। इस महापर्व की विशिष्टता विभिन्न समाजों की सहभागिता और परंपराओं के प्रति उनके अटूट विश्वास में निहित है।

सांसद महेश कश्यप ने कहा मां मावली दशैवरी के आशीर्वाद से बस्तर की यह अमूल्य सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों तक अक्षुण्ण बनी रहे और बस्तर दशहरा की गौरवशाली परंपरा निरंतर आगे बढ़ती रहे।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं की भागीदारी जरूरी, भैरमगढ़ कॉलेज में मतदाता जागरूकता शिविर

विश्व केसरी ■ बीजापुर (नवीन दुर्गम)। धुर्बाराव माड़िया शासकीय महाविद्यालय भैरमगढ़ में मतदाता जागरूकता शिविर आयोजित कर विद्यार्थियों को मतदान का महत्व बताया गया। इस दौरान युवाओं को लोकतांत्रिक

प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने और समाज में मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में तहसीलदार शिविर आयोजित कर विद्यार्थियों को मतदान का महत्व बताया गया। इस दौरान युवाओं को लोकतांत्रिक

विधायक कार्यालय नयापारा पहुंचे विधायक किरण देव

विश्व केसरी ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। विधायक कार्यालय नयापारा पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव का जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र से आयें भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ता, समाज, संगठन, एवं क्षेत्र के देवतुल्य जनता ने गर्मजोशी के साथ अपने विधायक किरण देव का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। स्वास्थ्य लाभ लेकर अपने विधायक कार्यालय नयापारा पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव का कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी और पुष्प वर्षा कर

जोरदार स्वागत किया। विधायक किरण देव ने सभी क्षेत्रवासियों से गर्मजोशी के साथ अभिवादन स्वीकारा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने क्षेत्र से

विधायक कार्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव का कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुशील मोय, जतीन जायसवाल, राजेश चौधरी, जाहद हुसैन, शुभम यदु, आभास मंहती, सुशीला बधेल एवं अन्य ने भी स्वास्थ्य लाभ लेकर लोटों भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव का स्वागत एवं अभिनन्दन कर जल्द स्वस्थ होने की बात कही। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने सभी भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं, क्षेत्रवासियों का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

शाली का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। शाली का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने और बाद में शाली से इनकार कर धमकी देने के आरोप में सिटी कोतवाली पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने 11 अक्टूबर 2026 को थाना सिटी कोतवाली कांकेर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि ग्राम झंझावाद निवासी पंकज यादव (24) ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर शाली का झांसा दिया और वर्ष 2021 से जून 2026 तक कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

बस्तर दशहरा में सेवा और सुरक्षा देगा सांस्कृतिक सुरक्षा मंच

विश्व केसरी ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। जगदलपुर नगर के शांति नगर स्थित दुर्गा मंदिर में बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच की बड़ी बैठक आयोजित की गई। बैठक में बस्तर संभाग के विभिन्न प्रखंडों से आए सदस्यों एवं युवाओं ने सैंकड़ों की संख्या में सहभागिता की। बैठक में विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के पारंपरिक रीति-रिवाजों, मां दशैवरी की सेवा तथा दशहरा की विभिन्न रस्मों में सहभागिता एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने पर सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में रामनाथ कश्यप ने कहा कि बस्तर दशहरा हमारी समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। पूर्व में जिस प्रकार सारी समाजों की सहभागिता से दशहरा की परंपराएं निभाई जाती थीं, उसी प्रकार हमें आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ आगे बढ़कर कार्य करना होगा। हरि साहू ने कहा कि बस्तर दशहरा में विभिन्न समाजों के लोगों का स्वेच्छा से आगे आना प्रसन्नता का विषय है। हम सभी मिलकर बस्तर में आने वाले देवी-देवताओं के पुजारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सेवा कार्य करेंगे।

विभाग का नाम बदलने के फैसले का विरोध सर्व आदिवासी समाज ने सौंपा झापन

विश्व केसरी ■ बीजापुर (नवीन दुर्गम)। आदिम जाति कल्याण विभाग का नाम बदलकर जनजातीय कार्य विभाग किए जाने के निर्णय को सर्व आदिवासी समाज ने विरोध किया है। शुक्रवार को जिला अध्यक्ष जगन्नाथ तेलामी के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधियों ने एसडीएम राकेश साहू के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम झापन सौंपकर विभाग का पुराना नाम यथावत रखने की मांग की।

समाज ने कहा कि विभाग के नाम से 'कल्याण' और 'विकास' जैसे शब्द हटाए जाने से आदिवासी समाज में असंतोष है। सरकार को नाम परिवर्तन के पीछे का प्रशासनिक और नीतिगत आधार स्पष्ट करना चाहिए। साथ ही, इस फैसले

से पहले आदिवासी प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से चर्चा नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए गए।

झापन में आदिवासी क्षेत्रों की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कुपोषण उन्मुलन से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। समाज ने आश्रम शालाओं

नवरात्रि और गरबा आयोजनों में महिला रक्षा टीम की सक्रियता

विश्व केसरी ■ कांकेर (सीताराम शर्मा)। नवरात्रि एवं गरबा आयोजनों के दौरान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने कांकेर पुलिस लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में महिला रक्षा टीम ने रात्रि पेट्रोलिंग के दौरान दुर्गा समितियों एवं गरबा आयोजन स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं से सौधा

संवाद किया। इस दौरान उन्हें महिला सुरक्षा, छेड़छाड़ एवं उत्पीड़न से बचाव तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल पुलिस सहायता लेने के संबंध में जागरूक किया गया। कांकेर पुलिस द्वारा त्योहारों के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने के साथ ही उनमें सुरक्षा के प्रति विश्वास मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

शिक्षा में बदलाव की ओर एक कदम, ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में बड़ी पहल

विश्व केसरी ■ जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा के सरपंच संतोष कुमार कश्यप अपने पंचायत क्षेत्र में शिक्षा के मामले को लेकर शानदार पहल कर रहे हैं। इसी कड़ी में सरपंच कश्यप बस्तर ट्राइबल इनिसिएटिव, बस्तर द इंस्टीट्यूट (बीटीआई) के संस्थापक प्रोफेसर चंद्रशेखर पाणिग्रही से सौजन्य भेंट की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा एवं पूरे बकावंड ब्लॉक में शिक्षा को बेहतर और सुलभ बनाना था।

मुलाकात के दौरान प्रोफेसर पाणिग्रही ने सरपंच संतोष कुमार

कश्यप को बताया कि कैसे आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों को उनकी अपनी भाषा और संस्कृति से जोड़कर शिक्षा दी जाए तो डॉ. प्रो. पाणिग्रही ने आदिवासी अंचल में शिक्षा के नए मांडल और बच्चों को स्कूल से जोड़ने के उपायों पर जानकारी दी। सरपंच ने कहा कि इस जानकारी का उपयोग वे अपने पंचायत के बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में करेंगे।

मिला। उन्होंने बताया कि शिक्षा का अर्थ सिर्फ किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों को हुनरमंद बनाना भी है। हम उनकी जानकारी को अपने गांव के बच्चों तक पहुंचाएंगे और बकावंड ब्लॉक को शिक्षा में मांडल ब्लॉक बनाएंगे।

यह मुलाकात बकावंड ब्लॉक के शैक्षिक भविष्य के लिए मील का पथर साबित होगी। प्रो. पाणिग्रही ने आदिवासी अंचल में शिक्षा के नए मांडल और बच्चों को स्कूल से जोड़ने के उपायों पर जानकारी दी। सरपंच ने कहा कि इस जानकारी का उपयोग वे अपने पंचायत के बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में करेंगे।

भाजपा मंडल चारामा की मासिक बैठक संपन्न

विश्व केसरी ■ चारामा (संदीप मेथ्राम)। संगठन नेतृत्व के आह्वान एवं भाजपा जिला अध्यक्ष महेश जैन के निर्देशानुसार, मंडल प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष राजा देवनानी के मार्गदर्शन तथा मुख्य वक्ता जिला महामंत्री जितेंद्र मरकाम के विशेष आतिथ्य में भाजपा मंडल चारामा की मासिक बैठक दिनांक 17 अक्टूबर 2026, शनिवार को भाजपा कार्यालय अटल समरसता भवन में मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी, पार्टी की आगामी गतिविधियों एवं संगठनात्मक दायित्वों के प्रभावी निर्वहन पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता जितेंद्र ने कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा के अनुरूप जनसेवा एवं जनसंपर्क के माध्यमों को प्राथमिकता देने का आह्वान

किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला मंत्री अमिता बंजारे, सह जिला कोषाध्यक्ष नंदकुमार ओझा, सह सोशल मीडिया प्रभारी अंकित जैन उपस्थित रहे।

बैठक में मंडल महामंत्री संतोष नाहर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष अजु धर्मद, सोनकर, जनपद अध्यक्ष जागेश्वरी भास्कर, शिक्षक प्रकोट जिला संयोजक भागीराम साहू, बुनकर प्रकोट जिला उपाध्यक्ष अशोक देवांगन मंडल मंत्री परमेश्वर यादव ईश्वरप्रसाद छाटा मंडल कोषाध्यक्ष सियाराम साहू युवा मोर्चा महामंत्री रमेश देवांगन एवं विशेष सेन, ,

किसान मोर्चा मंडल महामंत्री अमित साहू, कार्यालय मंत्री अमजद खान, नेता प्रतिपक्ष संतोष ओझा तथा पार्षद तुलसी कुंजाम हरीश मेहता राजेश साव संदीप निषाद नखतमल साहू वासुदेव साहू ललित साहू बनवाली सेन योगेश साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन की और अधिक सशक्त बनाने तथा पार्टी की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

स्वाधिकाारी गडबक्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बोरगांव रोड उला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहवा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099, स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जयप्राथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा।) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com, आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/6251